नई दिल्ली ■ मंगलवार 07 अप्रैल 2026 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 14 ■ अंक 09 ■ पृष्ठ 08

JBT जनभावना टाइम्स

www.thejbt.com

निष्पक्ष और निर्भीक खबर

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून, लखनऊ, अलीगढ़, मथुरा, हिसार, कैथल एवं करनाल से प्रकाशित

04 भारत में भी जिन्दगी पर भारी पड़ रहा है कैंसर | 07 राजस्थान के आक्रामक खेल से सतर्क रहना होगा मुंबई को | पहली झलक में दिखा 'चांद मेरा दिल' का जादू 08

कांग्रेस विकास विरोधी, पार्टी नेतृत्व जमीन लूट में शामिल: नरेन्द्र मोदी

डिब्रूगढ़। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कांग्रेस को विकास विरोधी और पार्टी नेतृत्व को सबसे भ्रष्ट बताया। उन्होंने नेशनल हेराल्ड के माध्यम से गांधी परिवार पर प्रमुख शहरों में जमीन हड़पने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पार्टी वोट बैंक के चलते विकास के नाम पर सड़कों, रेलवे और उद्योगों के लिए दी जा रही जमीन का विरोध कर रही है। असम के डिब्रूगढ़ में मोदी ने चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस जमीन लूट का मुद्दा उठा रही है। कांग्रेस ऐसा घुसपैठियों को कवर देने के लिए कर रही है।

उन्होंने कहा कि आज कांग्रेस को जमीन की याद इसलिए आई, क्योंकि उनके घुसपैठिया वोटबैंक से जमीन छीनी जा रही है। जमीन पर बवाल के पीछे सबसे बड़ी वजह यही है। ये घुसपैठियों को कवर देने का कांग्रेस का गेम प्लान है। भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा कि काजीरंगा जैसी हमारी शान की जमीन किसानों और आदिवासियों की जमीन कांग्रेस ने घुसपैठियों को दे दी थी। उनकी पार्टी की सरकार ने ऐसी लाखों बीघा जमीन से घुसपैठियों को बाहर खदेड़ दिया है और यही दुख कांग्रेस को खाए जा रहा है।

उन्होंने कहा कि विकास को लेकर कांग्रेस की सोच उनके चुनाव प्रचार से भी पता चलती है। पार्टी नेता कह रहे हैं कि भाजपा-राजग की सरकार ने सड़कों, रेलवे और उद्योगों के लिए जमीनें दी। इसका अर्थ यह है कि कांग्रेस असम की जनता, किसानों की सुविधा, नौजवानों के रोजगार के लिए दी गई जमीन का विरोध कर रही है। अगर कांग्रेस ने अपने समय विकास के लिए जमीन दी होती तो असम की इतनी पीढ़ियों को परेशानी न झेलनी पड़ती।

प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि चाय-बगान की बहनों के पहनावे और उनकी संस्कृति को बदनाम कर रही है। कांग्रेस ने चाय बागान की बहनों के साथ उनकी बातचीत को लेकर भी गंदगी फैलाई है। कांग्रेस के लोग एआई से झूठी तस्वीरें बना रहे हैं। मोदी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व ही असल में जमीन लूट में शामिल है। कांग्रेस का 'प्रथम परिवार' व्यापक रूप से देश का सबसे भ्रष्ट परिवार माना जाता है। उन पर 'नेशनल हेराल्ड घोटाले' के ज़रिए दिल्ली और मुंबई जैसे बड़े शहरों में ज़मीन पर कब्ज़ा करने का आरोप है और इस मामले में अदालती मुकदमे अभी भी चल रहे हैं। इसके अलावा 'राजीव गांधी चैरिटेबल ट्रस्ट' पर भी औद्योगिक उद्देश्यों के लिए दी गई ज़मीन हासिल करने के आरोप है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस का जो तथाकथित शाही परिवार है, वो देश का सबसे भ्रष्ट परिवार है, असली 'लैंड एटीएम' तो वो है। इन लोगों पर दिल्ली और मुंबई जैसे शहरों में नेशनल हेराल्ड घोटाला करके हजारों करोड़ रुपये की जमीन हड़पने का आरोप है, इसको लेकर अदालत में केस चल रहे हैं।

भाजपा का मिशन जारी, यूनिफॉर्म सिविल कोड और 'वन नेशन, वन इलेक्शन' पर देश में गंभीर चर्चा: नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के 47वें स्थापना दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि सत्ता में रहकर हासिल की गई बहुत सी उपलब्धियों के बाद भाजपा का मिशन अभी भी जारी है और यूनिफॉर्म सिविल कोड तथा 'वन नेशन, वन इलेक्शन' जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर देश में गंभीर चर्चा हो रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि भाजपा आगे भी हर चुनौती का सामना ईमानदारी से करती रहेगी और सकारात्मक परिणाम मिलते रहेंगे। वीडियो संदेश से पार्टी कार्यकर्ताओं को आज संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि देश जानता है कि भाजपा ने हमेशा राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए काम किया है। उन्होंने कहा कि पहले भी सरकार के प्रयासों से सकारात्मक नतीजे मिले हैं और भविष्य में भी इसी दिशा में कार्य जारी रहेगा। प्रधानमंत्री ने अपनी सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि अंग्रेजों के दौर के सैकड़ों पुराने और अप्रासंगिक कानूनों को समाप्त किया गया, लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए नए संसद भवन का निर्माण कराया गया, आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को 10 प्रतिशत आरक्षण दिया गया और तीन तलाक जैसी कुप्रथा पर कानून बनाकर रोक लगाई गई। इसके अलावा नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) और अयोध्या में राम मंदिर निर्माण जैसे निर्णय भी राष्ट्रहित में उठाए गए कदम हैं। उन्होंने कहा कि इन सभी कार्यों से यह स्पष्ट होता है कि भाजपा केवल वादे नहीं करती, बल्कि उन्हें पूरा भी करती है। प्रधानमंत्री ने दोहराया कि पार्टी का लक्ष्य एक विकसित और आत्मनिर्भर भारत का निर्माण करना है और इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए भाजपा निस्वार्थ भाव से निरंतर कार्य करती रहेगी। प्रधानमंत्री मोदी ने कार्यकर्ताओं से राष्ट्रसेवा के संकल्प को और मजबूत करने का आह्वान करते हुए कहा कि भाजपा देश की चेतना को नई ऊर्जा और प्रेरणा देने का कार्य करती रहेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा एकमात्र ऐसा राजनीतिक दल है, जहां कार्यकर्ता पार्टी को अपनी 'मां' के

होर्मुज खोलने की समय सीमा खत्म
अमेरिका-इजराइल का ईरान पर ताबड़तोड़ हमला, 34 की मौत

तेहरान/तेल अवीव/वाशिंगटन। अमेरिका-इजराइल का 28 फरवरी को ईरान के खिलाफ शुरू किया गया एकीकृत सैन्य अभियान समूचे पश्चिम एशिया के संकट का कारण बन गया है। तेहरान के वाशिंगटन की होर्मुज को खोलने के लिए मंगलवार तक की दी गई समय सीमा को ठुकराने के बाद अमेरिका-इजराइल ने ईरान पर ताबड़तोड़ हमला किया है। इस हमले में 34 लोगों की मौत हो गई।

ईरान ने इसके जवाब में इजराइल और उसके खाड़ी अरब पड़ोसियों पर मिसाइलें दागी हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कह चुके हैं कि ईरान ने अगर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को मंगलवार तक नहीं खोला, तो उसके बिजली संयंत्रों पर जमींदोज कर दिया जाएगा। इस पर ईरान ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। ईरान ने कहा कि उसे ट्रंप की धमकी की परवाह नहीं। वह अमेरिका और इजराइल को माकूल जवाब देने के लिए तैयार है। अल जजीरा चैनल की रिपोर्ट के अनुसार तेहरान में रात भर धमाकों की आवाज गूंजती रहीं और राजधानी पर लगातार हमलों के बीच घंटों तक नीचे उड़ते लड़ाकू विमानों की गड़गड़ाहट सुनाई देती रही। एक हवाई हमले में शहर के आजादी चौक के पास स्थित शरीफ यूनिवर्सिटी ऑफ़ टेक्नोलॉजी के परिसर को निशाना बनाया गया।

इजराइल का ईरान की साउथ पार्स गैस फील्ड पर हमला

तेहरान/यरूशलम। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच इजराइल ने एक बार फिर ईरान की रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण साउथ पार्स गैस फील्ड पर मिसाइल हमला किया है। यह गैस फील्ड दुनिया की सबसे बड़ी प्राकृतिक गैस भंडारों में गिनी जाती है और ईरान तथा कतर के बीच फैली हुई है। रिपोर्ट्स के अनुसार सोमवार को किए गए इस हमले में गैस फील्ड के कुछ हिस्सों को निशाना बनाया गया। इससे पहले 18 मार्च को भी इसी गैस फील्ड पर हमला हुआ था, जिसने वैश्विक ऊर्जा बाजार और क्षेत्रीय सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ा दी थीं। इस मुद्दे पर पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि उन्हें ऐसे हमलों की जानकारी नहीं थी और इस तरह की कार्रवाई से बचना चाहिए। हालांकि, ताजा हमले के बाद अभी तक अमेरिका की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर भारी भूस्खलन, दोनों तरफ का रास्ता बंद

जम्मू। कश्मीर घाटी को शेष भारत से जोड़ने वाला जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग-44 भूस्खलन की वजह से बंद हो गया है। इस राजमार्ग पर करोल ब्रिज और चंदर कोट के बीच भारी भूस्खलन हुआ है। तड़के करीब तीन बजे पहाड़ से टूटकर पत्थर गिरने और मिट्टी खिसकने से दोनों तरफ का रास्ता अवरुद्ध है। अभी तक की स्थिति यह है कि जम्मू से श्रीनगर और श्रीनगर से जम्मू आने वाली गाड़ियां जहां -तहां रुकी हुई हैं। यह राजमार्ग 247 किलोमीटर लंबा है। यह भारत का सबसे लंबा राष्ट्रीय राजमार्ग है। यह मार्ग जम्मू से शुरू होकर उधमपुर, रामबन (रामसू), और बनिहाल के रास्ते श्रीनगर तक जाता है।

दिल्ली विधानसभा का बैरियर तोड़कर घुसी कार, तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा परिसर में सोमवार को उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एक कार गेट नंबर-2 के बैरियर को तोड़ते हुए अंदर घुस गई। इस घटना के कुछ ही घंटों के भीतर दिल्ली पुलिस ने ड्राइवर समेत तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया।

आरोपितों के कब्जे से कार भी बरामद कर ली गयी है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार मुख्य आरोपित की पहचान सरबजीत के रूप में हुई है। उसके नाम पर ही टाटा सिएरा कार (नंबर यूपी-26 एजेड 8090) रजिस्टर्ड है। आरोपितों को दिल्ली के रूप नगर इलाके से पकड़ा गया। फिलहाल तीनों से गहन पूछताछ की जा रही है, ताकि इस घटना के पीछे की मंशा का पता लगाया जा सके। घटना सोमवार दोपहर करीब 2:10 बजे की है। उस समय विधानसभा परिसर के वीआईपी गेट पर सीआरपीएफ के जवान तैनात थे।

राज्य सभा के 19 नवनिर्वाचित सदस्यों को दिलाई गई शपथ

नई दिल्ली। राज्य सभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने सोमवार को सदन के 19 नवनिर्वाचित सदस्यों ने संसद भवन में शपथ दिलाई। राष्ट्रवादी कांग्रेस के नेता शरद पवार, केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले, भाजपा के रामराव वडकुटे, माया इवनाते, और ज्योती वाघमारे सहित अन्य नवनिर्वाचित सांसदों ने शपथ ली।

आज शपथ लेने वालों में महाराष्ट्र से रामदास बंदू अठावले, माया चिंतामन इवनाते, शरदचंद्र पवार, रामराव सखाराम वडकुटे, डॉ. ज्योति नागनाथ वाघमारे भी हैं। तमिलनाडु से क्रिस्टोफर मणिक्कम, डॉ. अंबुमणि रामदास, कॉन्स्टेंडाइन रविंद्रन, एल. के. सुधीश, डॉ.

एम. थंबीदुरई, तिरुची शिवा ने शपथ ग्रहण किया। पश्चिम बंगाल से बाबुल सुप्रियो बराल, डॉ. मेनका गुरुस्वामी, राजीव कुमार, रुक्मिणी मल्लिक, बिस्वजीत सिन्हा ने शपथ ली। ओडिशा से राज्य सभा के सदस्यों के तौर पर संतृप्त मिश्रा, दिलीप कुमार रे, मनमोहन सामल ने शपथ ली।

आयकर व उड़नदस्ता टीम का डीएमके नेता जाफर सादिक से जुड़े दस ठिकानों पर छापा

चेन्नई। ड्रग्स तस्करी मामले में गिरफ्तार होकर फिलहाल जमानत पर बाहर आए डीएमके के पूर्व पदाधिकारी जाफर सादिक से जुड़े ठिकानों सहित 10 से अधिक स्थानों पर सोमवार सुबह आयकर विभाग के अधिकारियों ने छापा मारा। तमिलनाडु विधानसभा के चुनाव के दौरान चेन्नई में कुछ लोगों के पैसे बांटे जाने की सूचना आयकर विभाग और चुनाव उड़नदस्ता टीम को मिली थी। इसी आधार पर आज सुबह आयकर अधिकारी और उड़नदस्ता टीम के सदस्यों ने डीएमके नेता जाफर सादिक से जुड़े ठिकानों सहित शहर के 10 से अधिक स्थानों पर छापा मारा। खबर लिखे जाने तक कार्यवाही चल रही थी। आयकर और अन्य अधिकारी खास तौर पर चेन्नई के अन्ना सलाई, पुरसावक्कम, एग्मोर और पट्टिनपक्कम जैसे इलाकों में जांच पड़ताल कर रहे हैं।

महाराष्ट्र: उप मुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार ने बारामती विधान सभा उपचुनाव के लिए भरा नामांकन

मुंबई। महाराष्ट्र की उप मुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार ने सोमवार को बारामती विधान सभा उपचुनाव के लिए अपना नामांकन दाखिल कर दिया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, भाजपा नेता और राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले, प्रफुल्ल पटेल सहित कई कद्दावर नेता मौजूद थे।

नामांकन भरते समय उप मुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार भावुक हो गईं थीं। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने कभी भी यह नहीं सोचा कि उन्हें उप चुनाव लडना पड़ेगा। सुनेत्रा पवार ने कहा कि वे चार बार मुख्यमंत्री रहे शरद पवार की बहू हैं।

छह बार उपमुख्यमंत्री रहे अजीत पवार की पत्नी हैं। उन्होंने कहा, अजितदादा ने बारामती में आखिरी सांस ली। उन्होंने कहा, बारामती के लोगों को देखकर ही मुझे हिम्मत मिली। बारामती की हर इमारत में अजितदादा का स्पर्श है। मैं बारामती की इज्जत को जरा भी कम नहीं होने दूंगी। अजितदादा ने वोट शेयर का रिकॉर्ड तोड़ दिया है।

इंदौरः कार और ट्रक में टक्कर, चार युवकों की मौत

इंदौर। मध्य प्रदेश के इंदौर में देररात दुल्हन लेकर लौट रही बारातियों से भरी कार (क्वालिस) को ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दी। देवगुराड़िया मार्ग पर हुए इस हादसे में चार युवकों की जान चली गई, जबकि पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, कार में 11 लोग सवार थे, जो आष्टा से शादी समारोह के बाद इंदौर लौट रहे थे। इस दौरान रविवार देर रात ढाई बजे के करीब देवगुराड़िया स्थित ट्रेंचिंग ग्राउंड के पास अचानक ब्रेक लगने के बाद पीछे से आ रहे ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी।

'समस्याओं का समाधान करें प्राधिकरण अधिकारी'

नोएडा चौपाल में ग्रामीणों ने कहा समस्याओं का समाधान करें प्राधिकरण अधिकारी

नोएडा। नोएडा प्राधिकरण के सीईओ कृष्णा करूणेश के निर्देश पर सेक्टर व गांवों के उत्थान के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान नोएडा चौपाल कार्यक्रम के तहत नोएडा प्राधिकरण के अधिकारी गांवों व सेक्टरों में व्याप्त समस्याओं का समाधान करने के मकसद से बैठकें कर लोगों की समस्याएं सुन रहें हैं। इसी क्रम में सोमवार को सलारपुर गांव के खेड़ा देवत स्थित चौपाल पर नोएडा विकास प्राधिकरण द्वारा आयोजित गांव चौपाल में ग्रामीणों ने अपनी मूलभूत समस्याओं को लेकर अपनी आवाज उठाई।

इस अवसर पर भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के गौतमबुद्ध नगर जिलाध्यक्ष अशोक भाटी के अलावा चौपाल में नोएडा प्राधिकरण के सिविल, जल, सीवर, स्वास्थ्य एवं विद्युत विभाग के रोहित कुमार, प्रदीप वर्मा, सुरेंद्र वर्मा, सुभाष कुमार, पवन कुमार, राकेश भाटी, प्रताप सिंह, मुकेश शर्मा, मोहन कुमार, कृष्ण कुमार, धर्मेंद्र कुमार सहित कई अन्य अधिकारी शामिल हुए। ग्रामीणों ने चौपाल के दौरान गांव में व्याप्त समस्याओं सीवर व्यवस्था, आरसीसी सड़कें, सामुदायिक केंद्र, कन्या विद्यालय, चिकित्सा केंद्र, जल निकासी, साफ-सफाई एवं बिजली व्यवस्था को प्रमुखता से उठाया। ग्रामीणों का कहना था कि वर्षों से ये समस्याएं बनी हुई हैं, लेकिन समाधान के नाम पर केवल आश्वासन ही मिलते हैं। बार-बार चौपाल आयोजित की जाती है, परंतु विकास कार्य धरातल पर नजर नहीं आते। भाकियू जिलाध्यक्ष अशोक भाटी ने अधिकारियों के समक्ष सेक्टर-80-81 सलारपुर में बारात घर निर्माण में देरी, फ्लाईओवर के नीचे सलारपुर-भंगेल कट, पार्किंग, नाले की पटरी पर डिवाइडर तथा मंगतू कॉलोनी, भट्टा कॉलोनी, राजीव कॉलोनी सहित अन्य समस्याओं को विस्तार से रखा। उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो सलारपुर के ग्रामवासी एकजुट होकर नोएडा प्राधिकरण पर अपनी मांगों को लेकर आंदोलन करेंगे। बैठक में संबंधित अधिकारियों ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि सभी प्रमुख समस्याओं का जल्द समाधान किया जाएगा और गांव में आवश्यक विकास कार्य शीघ्र प्रारंभ किए जाएंगे। इस अवसर पर सुखबीर प्रधान, चरण सिंह भाटी, सिंह राज गुर्जर, जयराज भाटी, सचिन भाटी, योगेश भाटी, विजय गुर्जर, बलवीर पहलवान, धर्मेंद्र शर्मा, सोमेश भारद्वाज, ओम भाटी, पुरुषोत्तम भाटी, मनोज भाटी सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

नोएडा प्राधिकरण के बड़े फैसले: 10,274 करोड़ बजट मंजूर

नोएडा। नोएडा प्राधिकरण की बोर्ड बैठक में कई अहम प्रस्तावों को मंजूरी दी गई, जिनमें 10,274 करोड़ रुपये के बजट को स्वीकृति देना प्रमुख है। इस फैसले के साथ ही स्पोर्ट्स सिटी परियोजनाओं पर लगी रोक भी हटा दी गई है, जिससे रियल एस्टेट क्षेत्र को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। बैठक में निर्णय लिया गया कि स्पोर्ट्स सिटी के सभी प्लॉटों के नक्शों पर लगी रोक समाप्त की जाएगी। इससे 40 से अधिक ग्रुप हाउसिंग परियोजनाएं अब आगे बढ़ सकेंगी। साथ ही सेक्टर-150 स्थित प्लॉट-दो के संशोधित लेआउट मास्टर प्लान को भी मंजूरी प्रदान कर दी गई है। न्यू नोएडा के विकास के लिए 800 करोड़ रुपये का बजट निर्धारित किया गया है। इसके साथ ही भूमि अधिग्रहण मुआवजे को यमुना प्राधिकरण के बराबर रखने का भी फैसला लिया गया, जिससे किसानों को समान लाभ मिल सके। इसके अलावा सेक्टर-95 स्थित दलित प्रेरणा स्थल के सौंदर्यीकरण के लिए 92 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं। वहीं, अग्निशमन सेवाओं को मजबूत करने के लिए रोबोट समेत आधुनिक उपकरणों की खरीद हेतु 154 करोड़ रुपये का बजट स्वीकृत हुआ है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट परियोजना के लिए भी 715 करोड़ 68 लाख रुपये का प्रावधान किया गया है। इससे क्षेत्र में बुनियादी ढांचे के विकास को गति मिलने की उम्मीद है। प्राधिकरण के इन फैसलों को विकास और निवेश को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, जिससे नोएडा और आसपास के क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं और आवासीय परियोजनाओं को नई गति मिलेगी।

फर्जी जमानत देने वाले दो लोगों पर मुकदमा दर्ज

ग्रेटर नोएडा। अदालत में एक नशा तस्कर की जमानत के लिए फर्जी कागज लगाने का मामला सामने आया है। सत्यापन किए जाने पर दोनों जमानती के कागज फर्जी पाए गए। न्यायालय के लिपिक ने दोनों जमानती के खिलाफ सूरजपुर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक न्यायालय के लिपिक योगेंद्र कुमार की शिकायत पर आरोपी रामशरण और राजकुमार के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। लिपिक के मुताबिक नोएडा थाना फेस 2 में नशा तस्करी के आरोप में पकड़े गए तस्कर विनोद कुमार की जमानत के लिए आए दोनों जमानतियों के कागजों का सत्यापन किया गया। इसके लिए बुलंदशहर के जहांगीराबाद थाने में संपर्क किया। इसी थाने से दोनों जमानत के कागजों का सत्यापन हुआ था। थाने से पूछताछ में पता चला कि उनके यहां से रामशरण और राजकुमार नाम के किसी व्यक्ति का सत्यापन नहीं किया गया। थाने के दरोगा के फर्जी हस्ताक्षर और मोहर लगाकर सत्यापन कर धोखाधड़ी की गई। सूरजपुर कोतवाली प्रभारी का कहना है कि न्यायालय के लिपिक की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है। आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

नोएडा में लगा निःशुल्क मिर्गी चिकित्सा शिविर, बांटी गई दवाएं

नोएडा। बाबा भगवान राम ट्रस्ट की नोएडा ब्रांच की तरफ से पांच अप्रैल 2026 को निशुल्क मिर्गी ट्रीटमेंट कैंप का आयोजन किया गया। शिविर का आयोजन नोएडा सेक्टर 12 स्थित नोएडा प्राधिकरण के सामुदायिक भवन में किया गया। इस कैंप में दवाई और सलाह दी जाएगी। इस शिविर में 4 बच्चों समेत कुल 67 मरीजों को दवाई और सलाह दी गई। कैंप में उत्तरप्रदेश, दिल्ली के अलावा हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तराखण्ड, बिहार, मध्यप्रदेश समेत कई राज्यों के लोग शामिल हुए। शिविर का शुभारंभ सर्वेश्वरी समूह के संस्थापक अध्यक्ष बाबा अवधूत भगवान राम एवं संस्था के वर्तमान अध्यक्ष गुरुपद संभव राम की पूजा-अर्चना के साथ किया गया। इसके बाद वाराणसी से आए वैद्य रंजीत कुमार सिंह एवं समूह के वरिष्ठ सदस्यों ने दीप प्रज्वलित कर शिविर की औपचारिक शुरुआत की। इस मेडिकल कैंप के लिए रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया शनिवार की सुबह से ही शुरू हो गई थी, जबकि नए रजिस्ट्रेशन के लिए काउंटर पूरी रात खुले रहे। सुबह पूजन के बाद उन्हें दवाई दी गई और मिर्गी की आयुर्वेदिक दवा भी बांटी गई। बाबा भगवान राम ट्रस्ट एवं सर्वेश्वरी समूह न केवल एक आध्यात्मिक संस्था है, बल्कि यह समाज सेवा और लोककल्याणकारी कार्यों में भी निरंतर योगदान दे रही है। यह संस्था परम पूज्य अघोरेश्वर भगवान राम द्वारा स्थापित की गई थी और वर्तमान में पूज्यपाद बाबा औघड़ गुरुपद संभव राम की अध्यक्षता में जरूरतमंदों की सेवा के लिए कई जनकल्याणकारी कार्यक्रम संचालित कर रही है। विशेष रूप से कुष्ठ रोगियों के उपचार के क्षेत्र में इस संस्था की ख्याति वैश्विक स्तर पर फैली हुई है। आयुर्वेदिक विधि से सर्वाधिक कुष्ठ रोगियों का सफलतापूर्वक इलाज करने के लिए बाबा अवधूत भगवान राम कुष्ठ सेवा आश्रम का नाम 'गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड' और 'लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड' में दर्ज है। इसके अलावा, पर्यावरण संरक्षण, समाज में व्याप्त रूढ़िवादिता, अंधविश्वास, दहेज प्रथा और नशाखोरी जैसी कुप्रथाओं के खिलाफ भी यह संस्था निरंतर कार्यरत है। सर्वेश्वरी सैनिक इन बुराइयों को जड़ से खत्म करने के लिए लगातार अभियान चला रहे हैं।

एनसीआर में 7-8 अप्रैल को फिर बदलेगा मौसम का मिजाज, बारिश और तेज हवाओं का अलर्ट

नोएडा। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में एक बार फिर मौसम करवट लेने जा रहा है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के ताजा पूर्वानुमान के अनुसार 7 और 8 अप्रैल को क्षेत्र में तेज हवाएं, बादल छाए रहने के साथ बारिश और कहीं-कहीं गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है। इससे पहले 6 अप्रैल को मौसम सामान्य रहा, जहां न्यूनतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार 7 अप्रैल को न्यूनतम तापमान 20 डिग्री और अधिकतम 31 डिग्री रहने का अनुमान है, जबकि 8 अप्रैल को तापमान और गिरकर न्यूनतम 18 डिग्री तथा अधिकतम 31 डिग्री रह सकता है। इन दोनों दिनों में एक-दो बार बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना जताई गई है। 9 अप्रैल को भी आंशिक बादल छाए रहेंगे, जबकि 10 और 11 अप्रैल को मौसम साफ होने का अनुमान है और तापमान धीरे-धीरे बढ़कर अधिकतम 33 से 34 डिग्री तक पहुंच सकता है।

मौसम में इस बदलाव का कारण पश्चिमी विक्षोभ को माना जा रहा है, जिसके चलते एनसीआर और आसपास के इलाकों में हवाओं की गति बढ़ेगी और तापमान में गिरावट दर्ज की जाएगी। खासकर न्यूनतम तापमान में 2-3 डिग्री तक की कमी आने की संभावना है, जिससे लोगों को हल्की ठंड का अहसास हो सकता है। वहीं, वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) की बात करें तो एनसीआर में फिलहाल स्थिति पहले से बेहतर बनी हुई है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के मुताबिक 90 प्रतिशत से ज्यादा इलाके "यलो जोन" यानी मध्यम श्रेणी में हैं, जिससे लोगों को राहत मिली है। नोएडा के सेक्टर-125 में एक्यूआई 217 दर्ज किया गया, जो खराब श्रेणी में आता है, जबकि सेक्टर-62 में 120, सेक्टर-1 में 134 और सेक्टर-116 में 152 एक्यूआई दर्ज किया गया। दिल्ली के विभिन्न इलाकों में भी एक्यूआई मध्यम स्तर पर बना हुआ है। आनंद विहार में 212, अशोक विहार में 118, बवाना में 143, चांदनी चौक में 110 और आरके पुरम/सीआरआरआई मथुरा रोड क्षेत्र में 134 एक्यूआई रिकॉर्ड किया गया। वहीं गाजियाबाद के इंदिरापुरम में 149, संजय नगर में 167 और वसुंधरा में 158 एक्यूआई दर्ज किया गया है। मौसम विभाग और प्रदूषण नियंत्रण एजेंसियों के मुताबिक आने वाले दिनों में बारिश और तेज हवाओं के कारण वायु गुणवत्ता में और सुधार हो सकता है।

50 हजार का इनामी गोवंश तस्कर दबोचा

ग्रेटर नोएडा। नोएडा एसटीएफ यूनिट ने गोवंश की तस्करी में फरार 50 हजार के इनामी तस्कर को दिल्ली से गिरफ्तार किया। तस्कर के खिलाफ चंदौली जनपद के थाने में गोवंश की तस्करी की धाराओं में मामला दर्ज था। वह लंबे समय से फरार चल रहा था। खुद की पहचान छिपाने के लिए दिल्ली में ई-रिक्शा चला रहा था। एसटीएफ के अपर पुलिस अधीक्षक राजकुमार मिश्रा के मुताबिक, गोवंश तस्कर की पहचान संतोष पासवान मूल निवासी टी-134, ब्लॉक सीएहट्स, शालीमार बाग दिल्ली के रूप में हुई। वर्तमान में वह फरीदाबाद के फ्रूट गार्डन में रह रहा था। आरोपित के खिलाफ चंदौली जनपद के चंदौली थाने में गोवंश तस्करी की धाराओं में मामला दर्ज था। आरोपित की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने 50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। टीम तस्कर की तलाश में थी। लोकेशन मिलने पर टीम ने दिल्ली के शालीमार बाग इलाके से गिरफ्तार किया। वह गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार ठिकाने बदल रहा था। अधिकतर दिल्ली और हरियाणा की सीमा के आसपास ठिकाने बना कर रहा था। आरोपित संगठित नेटवर्क के साथ गोवंश की तस्करी कर ट्रकों और अन्य वाहनों से दूसरे राज्यों में लेकर जाता था।

नोएडा में महिलाओं को नोटों की नकली गड्डी दिखाकर ठगी करने वाले दो शातिर गिरफ्तार

नोएडा। फेज दो थाना पुलिस ने नोटों की नकली गड्डी दिखाकर ठगी करने वाले गिरोह का सोमवार को पर्दाफाश किया। वे ऊपर और नीचे असली नोट लगाने के बाद बीच में कागज भर देते थे। दोनों शातिर बदमाशों को भंगेल गांव से गिरफ्तार किया गया है। आरोपितों से दो गड्डी व 250 रुपये नकद प्राप्त किए गए। आरोपितों की पहचान विशाल उर्फ नन्हे पुत्र स्वर्गीय भीम सिंह निवासी प्रेम नगर, थाना नांगलोई, दिल्ली उम्र 19 वर्ष व करन सोलंकी पुत्र सेवाराम सोलंकी निवासी सभापुर, थाना लोनी, जिला गाजियाबाद के रूप में हुई। पूछताछ में पता चला है कि व्यक्तियों को ऊपर-नीचे 500 रुपये लगी कागज की गड्डी दिखाकर रुपयों का लालच देते। इसके बदले में उनके कीमती आभूषणों की ठगी कर फरार हो जाते थे। आरोपितों फेज दो थाने में एक मुकदमा दर्ज है।

ग्रेटर नोएडा में किसानों की बढ़ी मुश्किल

गेहूं की सरकारी दर 2585 रुपये कुंतल; 2250 में बेचने को मजबूर

जेवर। सरकार ने गेहूं क्रय के लिए जिले में 20 क्रय केंद्र स्थापित किए है लेकिन, इन केंद्रों पर केवल रजिस्ट्रेशन कराने वाले किसान ही गेहूं बेच सकते हैं। इसी का फायदा उठाकर व्यापारी किसानों से औने-पौने दामों में गेहूं की खरीद कर रहे है। मजबूरन किसान एक सप्ताह से लेकर 10 दिन की उधारी पर मात्र 2250 रुपये कुंतल में अपने गेहूं बेच रहा है। सरकारी क्रय केंद्रों पर अभी तक खरीद का खाता भी नहीं खुल पाया है और व्यापारी किसानों से सीधे उनके खेतों से गेहूं खरीद रहे हैं। जेवर में ज्यादातर जमीन एयरपोर्ट और यमुना प्राधिकरण ने विकास परियोजनाओं के लिए खरीद ली है ऐसे में खतौनी में अब मूल किसान का नाम हट गया है लेकिन, खेती अभी भी वहीं किसान कर रहे हैं। खतौनी में नाम दर्ज न होने की वजह से सरकारी क्रय केंद्रों पर गेहूं बिक्री के लिए रजिस्ट्रेशन नहीं करा सकते। वहीं, दूसरा बटाईदार किसान जिनके नाम जमीन नहीं है, लेकिन मूल किसान से जमीन लेकर खेती कर रहे हैं। उनके सामने भी रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया पूर्ण करना लोहे के चने चबाने जैसी है। तीसरे वे लोग जिनके माता पिता की मृत्यु के बाद नाम खतौनी में दर्ज नहीं हो पाए वे भी अपना रजिस्ट्रेशन नहीं

करा सकते ऐसे में व्यापारी इन किसानों का फायदा उठाकर औने-पौने दामों में खरीद रहे हैं। कुछ किसान अपने गेहूं सीधे खेतों से बेच रहे हैं तो कुछ किसान अच्छे रेटों के लिए अलीगढ़ और पलवल का रुख भी कर रहे हैं, लेकिन सभी जगह सरकारी दर से कम भाव में गेहूं खरीदा जा रहा है। वहीं, यमुना विकास प्राधिकरण ने भी अपने विभिन्न सेक्टरों में 3200 हेक्टेयर से अधिक जमीन किसानों से आपसी सहमति से खरीदी है। ज्यादातर जमीन पर किसान आज भी फसलें पैदा कर रहे हैं, लेकिन राजस्व अभिलेखों से उनका नाम हटा दिया गया। जिससे ऐसे किसान सरकारी क्रय केंद्रों पर रजिस्ट्रेशन नहीं करा सकते। बिना रजिस्ट्रेशन के इन क्रय केंद्रो पर गेंहू की खरीद संभव नहीं है। जिन किसानों के नाम पर राजस्व अभिलेखों में जमीन दर्ज नहीं है लेकिन उन्होंने फसल तैयार की है ऐसे किसानों का सरकारी क्रय केंद्रों पर गेहूं बिक्री के लिए रजिस्ट्रेशन नहीं हो पाना उन्हें व्यापारियों को बेचने के लिए मजबूर कर रहा है।

दिल्ली की मुख्यमंत्री ने सफाई कर्मचारियों को सुरक्षा और सम्मान का दिया भरोसा, कहा

सरकार सुनिश्चित करेगी सफाई कर्मचारियों के अधिकारों की हो रक्षा

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को मुख्यमंत्री जन सेवा सदन में दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के सफाई कर्मचारी यूनियन की कोर कमेटी के प्रतिनिधियों के साथ अहम संवाद किया।

इस संवाद में अलग-अलग यूनियनों के प्रतिनिधि शामिल हुए और उन्होंने अपने मुद्दे, सुझाव और जमीनी स्तर पर आने वाली दिक्कतों को खुलकर सामने रखा। संवाद के दौरान सफाई कर्मचारियों की भर्ती और नियमितीकरण का मुद्दा प्रमुख रहा। इसके अलावा कर्मचारियों ने कार्यस्थल पर सुरक्षा की कमी, वेतन से जुड़ी समस्याएं और सेवा से संबंधित अन्य परेशानियों पर भी बात की।

प्रतिनिधियों ने सरकार से मांग की कि सफाई कर्मचारियों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं मिलें, उन्हें स्थायी नौकरी दी जाए और उनके काम के मुताबिक उन्हें सम्मानजनक माहौल भी सुनिश्चित किया जाए।

मुख्यमंत्री ने उन्हें भरोसा दिलाया कि दिल्ली सरकार उनके साथ मजबूती से खड़ी है। सफाई कर्मचारी शहर को साफ और व्यवस्थित रखने में अहम भूमिका निभाते हैं इसलिए उनके हितों की रक्षा करना सरकार की प्राथमिकता है। कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए सरकार ठोस और व्यावहारिक कदम उठाएगी। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि यूनियन द्वारा उठाए गए सभी मुद्दों की समीक्षा कर जरूरी कार्रवाई की जाए ताकि कर्मचारियों को बेहतर काम करने का माहौल, सुरक्षा और सम्मान मिल सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार एक संवेदनशील और जिम्मेदार प्रशासन के रूप में कार्य करते हुए यह सुनिश्चित करेगी कि सफाई कर्मचारियों के अधिकारों की रक्षा हो और उनके जीवन स्तर में सकारात्मक सुधार आए।

सीएम ने उपराज्यपाल से की मुलाकात, आगामी गर्मियों की तैयारी की समीक्षा

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू से मुलाकात कर आगामी गर्मियों के लिए तैयारियों की समीक्षा की। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने उपराज्यपाल से मुलाकात कर बताया कि दिल्ली सरकार आगामी गर्मियों के लिए तैयारी कर रही है ताकि जनता को शिकायत का मौका नही मिले। इस दौरान मुख्यमंत्री जल आपूर्ति, बिजली प्रबंधन, स्वास्थ्य सेवाएं और आपदा प्रबंधन से जुड़े विषयों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम में दिल्लीवासियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। दिल्ली सरकार सभी आवश्यक कदम उठा रही है और पूरी तरह तैयार है, ताकि नागरिकों को सुचारु सेवाएं और बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित किया जा सके। उल्लेखनीय है कि इससे पहले मुख्यमंत्री ने उपराज्यपाल से 28 मार्च को मुलाकात की थी। इस अवसर पर दिल्ली के विकास, जनकल्याण और भविष्य की दिशा पर सार्थक चर्चा हुई। जिसमें इंफ्रास्ट्रक्चर को गति, पर्यावरण को प्राथमिकता और नागरिकों के जीवन को बेहतर बनाने का संकल्प केंद्र रहा।

प्रोजेक्ट संगम' से बदलेगा द्वारका का ट्रैफिक सिस्टम, जनता और पुलिस मिलकर सुधारेंगे हालात

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के द्वारका जिला में ट्रैफिक व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए पुलिस और आम जनता के बीच साझेदारी को मजबूत करने की दिशा में 'प्रोजेक्ट संगम' की शुरुआत की गई है। इस पहल के तहत ट्रैफिक से जुड़ी रोजमर्रा की समस्याओं का समाधान अब जनसहभागिता और विभिन्न एजेंसियों के समन्वय से किया जाएगा।इसी कड़ी में 5 अप्रैल को द्वारका सेक्टर-7 स्थित भावभूति नाट्यगृह (CCRT) ऑडिटोरियम में एक अहम बैठक आयोजित की गई। बैठक में ट्रैफिक पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ द्वारका सब-सिटी के विभिन्न आरडब्ल्यूए के करीब 150 सदस्य और वरिष्ठ नागरिक शामिल हुए। बैठक के दौरान लोगों ने ट्रैफिक जाम, अव्यवस्थित पार्किंग और सड़क सुरक्षा से जुड़ी समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। साथ ही, ट्रैफिक सुधार के लिए कई व्यावहारिक सुझाव भी दिए गए।दिनेश कुमार गुप्ता एडिशनल सीपी ट्रैफिक जोन 2 ने बताया कि द्वारका क्षेत्र में ट्रैफिक दबाव कम करने के लिए दिल्ली विकास प्राधिकरण (DDA) द्वारा 13 फ्री लेफ्ट टर्न प्रस्तावित किए गए हैं। इसके अलावा क्षेत्र के सांसद के प्रयासों से चार फुट ओवर ब्रिज (FOB) का निर्माण भी किया जा रहा है, जो सेक्टर 22-23, सेक्टर 4-12 मार्केट, सेक्टर 6-10 मार्केट और सेक्टर-1 के पास बनाए जाएंगे। इन परियोजनाओं के पूरा होने के बाद खासतौर पर यूईआर-2 कॉरिडोर और सेक्टर-1 के आसपास ट्रैफिक जाम में काफी कमी आने की उम्मीद है।बैठक में नागरिकों को 'प्रहरी ऐप' के बारे में भी जागरूक किया गया और उनसे अपील की गई कि वे इस प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल कर ट्रैफिक पुलिस का सहयोग करें। पुलिस अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि बैठक में मिले सुझावों को प्राथमिकता के आधार पर संबंधित एजेंसियों के साथ समन्वय कर लागू किया जाएगा।

दो कॉलेजों को बम की धमकी, ईमेल से मचा हड़कंप

नई दिल्ली। उत्तरी जिले स्थित रामजस कॉलेज और मिरांडा हाउस में सोमवार सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब संस्थान को एक संदिग्ध ईमेल मिला। जिसके विषय में बम होने की धमकी का जिक्र किया गया था। पुलिस के अनुसार, संदेश के मुख्य भाग में बम का सीधा उल्लेख नहीं था, लेकिन विषय में दी गई धमकी को गंभीरता से लेते हुए तुरंत कार्रवाई की गई। कॉलेज प्रशासन ने बिना देर किए इसकी सूचना पुलिस को दी, जिसके बाद सुरक्षा एजेंसियां तुरंत मौके पर पहुंच गईं।

एहतियात के तौर पर छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों को तत्काल परिसर से बाहर निकाला गया। पूरे इलाके को घेरकर व्यापक तलाशी अभियान चलाया गया। बम निरोधक दस्ता, श्वान दल और पुलिस की कई टीमें घंटों तक परिसर की गहन जांच करती रहीं। जांच के दौरान कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली, जिससे राहत की सांस ली गई। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि फिलहाल किसी प्रकार का खतरा सामने नहीं आया है, लेकिन सतर्कता के तौर पर निगरानी बढ़ा दी गई है।

संदिग्ध ईमेल में बेहद आपत्तिजनक और हिंसक भाषा का प्रयोग किया गया था। इसमें एक राजनीतिक परिवार को निशाना बनाते हुए गंभीर धमकियां दी गई थीं। इस कारण सुरक्षा एजेंसियों ने मामले को अत्यंत संवेदनशील मानते हुए जांच तेज कर दी है। उत्तरी जिले के पुलिस उपायुक्त राजा बांठिया के अनुसार मामले की जांच में अब साइबर विशेषज्ञों की भी मदद ली जा रही है, ताकि ईमेल भेजने वाले की पहचान की जा सके। प्रारंभिक स्तर पर ईमेल के स्रोत और उसके स्थान का पता लगाने का प्रयास जारी है। घटना के बाद छात्रों और अभिभावकों में चिंता का माहौल देखने को मिला। हालांकि, कॉलेज प्रशासन ने भरोसा दिलाया है कि स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और सुरक्षा के सभी आवश्यक इंतजाम किए गए हैं। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें।

पुलिस अधिकारी ने बुजुर्ग दुकानदार को थप्पड़ मारा, FIR

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की एक महिला उपनिरीक्षक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। आरोप है कि उन्होंने 78 वर्षीय एक दुकानदार को उसकी दुकान के सामने गाड़ी खड़ी करने पर आपत्ति जताने को लेकर सूत्र के अनुसार, यह घटना रोहिणी सेक्टर-7 में हुई, जब एक बुजुर्ग व्यक्ति ने दुकान के ठीक सामने खड़ी कार को लेकर आपत्ति जताई। उन्होंने आगे बताया कि गर्भवती महिला ने कहा कि वह अपने पति के साथ चिकित्सा जांच के लिए इस इलाके में आई थी। उसने पुलिस को बताया कि उसने दुकानदार से कुछ मिनटों के लिए गाड़ी खड़ी करने की अनुमति मांगी थी और उसका इरादा था कि वह अपनी जांच पूरी होने के बाद गाड़ी हटा लेगी। हालांकि, दुकानदार ने इनकार कर दिया, जिसके कारण बहस शुरू हो गई। सूत्रों के मुताबिक, बहस के दौरान स्थिति बिगड़ गई और महिला ने उसे थप्पड़ मार दिया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि महिला आक्रामक व्यवहार कर रही थी और भीड़ के जमा होने पर उसने वहां मौजूद लोगों को किनारे हटने के लिए कहा और दावा किया कि वह पुलिस अधिकारी है। पीसीआर को फोन किया गया जिसके बाद आस-पास के पुलिस थानों से पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे। महिला अधिकारी को पास के ही एक पुलिस थाने ले जाया गया और उनके तथा उनके पति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। मामले की जांच जारी है।

दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन लेजेंड्स क्रिकेट टूर्नामेंट 2026 का सफल समापन

नई दिल्ली/गुरुग्राम। दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन (DMA) के तत्वावधान में आयोजित तीसरे "लेजेन्ड्स क्रिकेट टूर्नामेंट 2026" का समापन 5 अप्रैल को गुरुग्राम स्थित पावर प्ले एकेडमी में उत्साह और खेल भावना के साथ हुआ। इस टूर्नामेंट में दिल्ली-एनसीआर के 40 वर्ष से अधिक आयु के डॉक्टरों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। आयोजन समिति के सदस्य डॉ. श्रीकांत कौशिक, डॉ. राजीव सोलंकी, डॉ. सुमित टेलवार, डॉ. गोबिंद राय गर्ग और डॉ. राहुल अग्रवाल ने बताया कि इस टूर्नामेंट में करीब 60 डॉक्टरों ने भाग लिया, जो विभिन्न सरकारी और निजी अस्पतालों से जुड़े हैं। टूर्नामेंट में चार टीमों – सेरेबेलम लेजेंड्स, डीएफएस लेजेंड्स, नवीन लेजेंड्स और कैपिटल्स लेजेंड्स – के बीच मुकाबले खेले गए। कड़े मुकाबलों के बाद सेरेबेलम लेजेंड्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जीत हासिल कर खिताब अपने नाम किया। इस आयोजन की खास बात यह रही कि 75 वर्ष तक के वरिष्ठ डॉक्टरों ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई। वहीं, महिला डॉक्टरों के लिए समानांतर लीग का आयोजन किया गया, जिसने टूर्नामेंट को और अधिक समावेशी बनाया। पुरस्कार और सम्मानः डॉ. अनुज चौधरी को उनके बेहतरीन ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए "प्लेयर ऑफ द सीरीज" चुना गया। डॉ. श्रीकांत कौशिक को 60+ आयु वर्ग में "मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर (MVP)" का पुरस्कार मिला। इसके अलावा विभिन्न श्रेणियों में 20 से अधिक पुरस्कार वितरित किए गए। इस अवसर पर पूर्व भारतीय टेस्ट क्रिकेटर मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे।

पुरानी रंजिश में युवक की चाकू गोदकर हत्या

नई दिल्ली। उत्तर-पश्चिमी जिले के जहांगीरपुरी इलाके में आपसी रंजिश ने एक बार फिर खूनी रूप ले लिया। रामलीला मैदान में 18 वर्षीय युवक की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान हसमत के रूप में हुई है। पुलिस ने इस मामले में चार आरोपितों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

उत्तर पश्चिमी जिले की पुलिस उपायुक्त आकांक्षा यादव के अनुसार, रविवार शाम करीब 7:05 बजे अस्पताल से सूचना मिली कि जहांगीरपुरी निवासी हसमत को गंभीर हालत में लाया गया था, जिसे डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। युवक के शरीर पर कई चाकू के घाव पाए गए। पुलिस जांच में मृतक के भाई हकीम ने बताया कि शाम करीब छह बजे रामलीला मैदान में दिलशाद, इरफान और इमरान (तीनों सगे भाई) तथा रिजबुल ने मिलकर हसमत पर हमला किया। आरोप है कि सभी ने धारदार हथियारों से ताबड़तोड़ वार कर उसे मौत के घाट उतार दिया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दोनों परिवारों के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। हकीम का आरोप है कि वह पिछले पांच-छह वर्षों से मनवरा नामक युवती के संपर्क में था, जो आरोपितों के परिवार से है। वर्ष 2024 में शादी के बाद भी यह संबंध जारी रहने से दोनों पक्षों में तनाव बढ़ गया था। पुलिस अधिकारी के अनुसार हाल ही में ईद के मौके पर भी दोनों परिवारों के बीच कहासुनी हुई थी। आरोप है कि मृतक की पत्नी के साथ अभद्र व्यवहार किया गया, जिससे विवाद और गहरा गया। इसी रंजिश के चलते आरोपितों ने मौके का फायदा उठाकर हसमत पर हमला कर दिया। पुलिस ने बताया कि शिकायत के आधार पर जहांगीरपुरी थाने में हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया है। सभी आरोपित फिलहाल फरार हैं और उनकी गिरफ्तारी के लिए कई टीमें गठित कर छापेमारी की जा रही है।

दिल्ली सरकार ने ईडब्ल्यूएस एवं सीडब्ल्यूएसएन श्रेणी के अंतर्गत प्रवेश हेतु कंप्यूटरीकृत ड्रा का किया आयोजन

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए निजी स्कूलों में ईडब्ल्यूएस, डीजी और विशेष आवश्यकता वाले बच्चों (सीडब्ल्यूएसएन) श्रेणी के तहत दाखिले के लिए पहला कंप्यूटरीकृत ड्रा आयोजित किया।

दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने सोमवार को पुराना सचिवालय में शिक्षा निदेशालय के शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए निजी गैर-सहायता मान्यता प्राप्त विद्यालयों में प्रवेश स्तर नर्सरी एवं केजी एवं कक्षा एक पर ईडब्ल्यूएस एवं डीजी एवं विशेष आवश्यकता वाले बच्चों (सीडब्ल्यूएसएन) की श्रेणियों के अंतर्गत प्रवेश हेतु कंप्यूटरीकृत ड्रॉ ऑफ़ लॉट्स की प्रक्रिया का अवलोकन किया। यह पूरी प्रक्रिया अभिभावकों और अधिकारियों की उपस्थिति में पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ संपन्न हुई, जिससे हर पात्र बच्चे को समान अवसर मिल सके।

कंप्यूटरीकृत ड्रा के बाद शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने बताया कि दिल्ली सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि प्रदेश के प्रत्येक पात्र बच्चे को निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का अवसर मिले। उन्होंने कहा कि इस वर्ष इन सब श्रेणियों में प्रवेश के लिए तकनीकी सुधारों, एनआईसी द्वारा विकसित और स्वीकृत सॉफ्टवेयर और आधार आधारित सत्यापन के माध्यम से डुप्लीकेट एवं त्रुटिपूर्ण आवेदनों पर प्रभावी रोक लगाई गई है। इससे वास्तविक लाभार्थियों को प्रवेश के अधिक अवसर प्राप्त हुए हैं।

इस वर्ष 2025-26 की तुलना में कुल स्कूलों की संख्या 2219 से बढ़कर 2308 हो गई है। ईडब्ल्यूएस एवं डीजी श्रेणी के अंतर्गत सीटें 44,045 से बढ़कर 48,092 हो गई हैं, जबकि सीडब्ल्यूएसएन श्रेणी में सीटें 6,471 से बढ़कर 7,609 तक पहुंची हैं। उन्होंने बताया कि इस वर्ष कुल सीटों की संख्या 50,516 से बढ़कर 55,701 हो गई है, जो कि 5,185 सीटों की वृद्धि को दर्शाता है। सूद ने कहा कि दिल्ली सरकार के शिक्षा विभाग को इस वर्ष कुल 1,39,524 आवेदन प्राप्त हुए। ईडब्ल्यूएस एवं डीजी श्रेणी में पूर्ण रूप से भरे हुए आवेदनों की संख्या 1,38,536 है। सीडब्ल्यूएसएन श्रेणी में पूर्ण आवेदनों की संख्या 904 से बढ़कर 988 हो गई है।

वाहन चोरी के मामले में शातिर चोर गिरफ्तार

नई दिल्ली। बाहरी जिले के थाना निहाल विहार पुलिस ने वाहन चोरी के दो मामलों का खुलासा करते हुए एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। आरोपित के कब्जे से तीन चोरी की दोपहिया वाहन बरामद किए गए हैं।

बाहरी जिले के पुलिस उपायुक्त विक्रम सिंह ने सोमवार को जानकारी देते हुए बताया कि पांच अप्रैल को निहाल विहार क्षेत्र में कुछ ही समय के अंतराल में दो वाहन चोरी की घटनाएं सामने आईं। दोनों मामलों में ई-एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की गई। घटनाओं की गंभीरता को देखते हुए थाना पुलिस ने विशेष टीम का गठन किया। जांच के दौरान पुलिस टीम ने घटनास्थलों के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को खंगाला। फुटेज में एक संदिग्ध युवक की गतिविधियां सामने आईं, जिसके आधार पर उसकी पहचान करने के प्रयास शुरू किए गए। साथ ही, स्थानीय मुखबिरों को भी सक्रिय किया गया, जिससे आरोपित के बारे में महत्वपूर्ण सुराग मिले। तकनीकी विश्लेषण और स्थानीय सूचना के आधार पर पुलिस ने उसी दिन चंदर विहार इलाके में छापेमारी कर 22 वर्षीय संदीप सिंह को दबोच लिया। पूछताछ में आरोपित ने दोनों वाहन चोरी की वारदातों में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली। उसकी निशानदेही पर एक होंडा एक्टिवा स्कूटी और एक हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल बरामद की गई, जो हाल ही में चोरी की गई थीं। वहीं पूछताछ में आरोपित ने एक और खुलासा करते हुए बताया कि उसने अपने एक साथी के साथ मिलकर करीब एक महीने पहले भी एक स्कूटी चोरी की थी। इसके बाद पुलिस ने उसकी निशानदेही पर विकासपुरी एक्सटेंशन क्षेत्र से एक और चोरी की स्कूटी बरामद की। जांच में यह भी सामने आया कि आरोपित संदीप पहले से ही पांच अन्य आपराधिक मामलों में शामिल रह चुका है।

एमसीडी महापौर चुनाव जल्द होने की संभावना

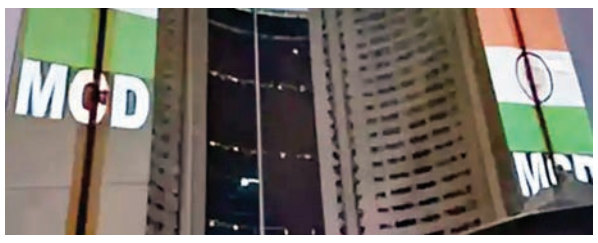

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) में महापौर, उप महापौर और प्रमुख समितियों के चुनाव जल्द होने की संभावना है और यह प्रक्रिया अप्रैल के अंतिम सप्ताह में हो सकती है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, सदन की स्थायी समिति में तीन रिक्त सीट को भरने के लिए चुनाव भी इसी अवधि में निर्धारित हैं। पिछले साल, आम आदमी पार्टी (आप) ने महापौर चुनाव से दूरी बनाए रखी थी, जिसके परिणामस्वरूप भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) निर्विरोध जीत गई। दिल्ली में महापौर का पद 'रोटेशन' (बारी-बारी) प्रणाली के अनुसार पांच एक-वर्षीय कार्यकालों में बंटा है, जिसमें पहला वर्ष महिलाओं, दूसरा सामान्य वर्ग, तीसरा आरक्षित वर्ग और अंतिम दो वर्ष पुनः सामान्य वर्ग के लिए आरक्षित रहते हैं। प्रत्येक वित्त वर्ष के अंत में नया महापौर निर्वाचित होता है।

पिछले वर्ष, भाजपा ने दो साल के अंतराल के बाद दिल्ली नगर निगम पर फिर से अपना नियंत्रण कायम किया। इससे पहले हुए चुनावों में बार-बार व्यवधान देखा गया था, जहाँ 'आप' और भाजपा पार्षदों के बीच तीखे मतभेदों के कारण सदन की कार्यवाही स्थगित होती रही। उससे पहले, गतिरोध के चलते महापौर चुनने की कोशिशें प्रक्रिया पूरी होने से पहले ही विफल हो गई थीं। इस वर्ष, महापौर को निर्वाचित करने वाले निर्वाचक मंडल में कुल 249 पार्षद, दिल्ली विधानसभा द्वारा मनोनीत 14 विधायक, सात लोकसभा सदस्य और तीन राज्यसभा सदस्य शामिल हैं। किसी भी उम्मीदवार को जीत हासिल करने के लिए 137 मतों की आवश्यकता होगी।

वर्तमान में, भाजपा के पास 141 वोट हैं, जिनमें 123 पार्षद, सात लोकसभा सदस्य और 11 विधायक शामिल हैं। आम आदमी पार्टी (आप) के पास 106 वोट हैं, जिनमें 100 पार्षद, तीन राज्यसभा सदस्य और तीन विधायक शामिल हैं। अन्य मतों में कांग्रेस के नौ, इंद्रप्रस्थ विकास पार्टी के 15, ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लाक का एक और एक निर्दलीय उम्मीदवार के शामिल हैं। इसके साथ ही, नगर निगम आने वाले महीनों में 'टाउन वेंडिंग कमेटी' (टीवीसी) के चुनाव कराने पर भी विचार कर रहा है, जो शहर भर में रेहड़ी-पटरी के प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। ऐसी लगभग 27 कमेटियों के गठन की उम्मीद है। प्रत्येक कमेटी में रेहड़ी-पटरी (स्ट्रीट वेंडर) वालों के बीच से एक दर्जन प्रतिनिधि होंगे, जबकि शेष सदस्य रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए), बाजार निकायों, विशेषज्ञों और स्वयंसेवी समूहों से लिए जाएंगे। केवल वैध वेंडिंग सर्टिफिकेट (सीओवी) रखने वाले विक्रेता ही मतदान के पात्र होंगे और नगर निगम इस प्रक्रिया के लिए मतदाता सूची तैयार कर रहा है।

अंतरराष्ट्रीय हथियार तस्करी और आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़, दो और आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने अंतरराष्ट्रीय हथियार तस्करी और आतंकी नेटवर्क के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो और अहम आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई के साथ अब तक कुल 12 आरोपितों की गिरफ्तारी हो चुकी है। पुलिस ने इस पूरे नेटवर्क के तार पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े होने का दावा किया है।

क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त संजीव यादव ने सोमवार को जानकारी देते हुए बताया कि क्राइम ब्रांच की एंटी-रेकेट सेल (एआरएससी) की टीम ने इंस्पेक्टर मन सिंह और इंस्पेक्टर सुंदर गौतम के नेतृत्व में यह कार्रवाई की। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान इमरान (37) और मोहम्मद कामरान (27) के रूप में हुई है, जो उप्र के बुलंदशहर से जुड़े हैं। दोनों को लुकआउट सर्कुलर (एलआसी) के आधार पर 2 अप्रैल को आईजीआई एयरपोर्ट से हिरासत में लिया गया था।

पुलिस के मुताबिक, यह मामला 14 मार्च 2026 को दर्ज एफआईआर नंबर 49/26 से जुड़ा है, जिसमें यूएपीए की धाराएं भी जोड़ी गई हैं। इससे पहले इस केस में 10 आरोपितों को गिरफ्तार किया जा चुका है और उनके पास से 21 अत्याधुनिक हथियार तथा 200 जिंदा कारतूस बरामद हुए थे।

ताजा कार्रवाई में पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से एक 0.30 बोर की चीनी पिस्टल, एक 0.32 बोर का रिवॉल्वर, 11 जिंदा कारतूस और एक मॉडिफाइड मारुति स्विफ्ट कार बरामद की है। इस कार में हथियार छिपाने के लिए विशेष गुप्त खांचे बनाए गए थे, जिनका इस्तेमाल तस्करी में किया जाता था।

जांच में खुलासा हुआ है कि आरोपी नेपाल से अवैध हथियारों की खेप लाते थे, जिन्हें अलग-अलग हिस्सों में तोड़कर भारत में तस्करी कर लाया जाता था। बाद में इन्हें जोड़कर दिल्ली-एनसीआर और अन्य राज्यों में आपराधिक और आतंकी तत्वों तक पहुंचाया जाता था।

पुलिस के अनुसार, इस नेटवर्क का सरगना शाहबाज अंसारी है, जो फिलहाल फरार है और विदेश में बैठे अपने आकाओं के इशारे पर काम कर रहा है। हथियारों की सप्लाई पाकिस्तान से थाईलैंड और नेपाल होते हुए भारत लाई जाती थी, ताकि सुरक्षा एजेंसियों से बचा जा सके। जांच एजेंसियों का मानना है कि इन हथियारों का इस्तेमाल बड़े आतंकी हमलों में किया जा सकता था, खासकर धार्मिक आयोजनों और भीड़-भाड़ वाले इलाकों को निशाना बनाने के लिए। पुलिस ने कहा कि यह नेटवर्क देश की आंतरिक सुरक्षा और सांप्रदायिक सौहार्द को नुकसान पहुंचाने की साजिश का हिस्सा था। क्राइम ब्रांच ने मामले की जांच तेज कर दी है और फरार आरोपितों की तलाश जारी है।

भारत में भी जिन्दगी पर भारी पड़ रहा है कैंसर

संपादकीय

ईरान में जमीनी कार्रवाई की अमेरिकी चुनौतियां

अमेरकी और ईरान की जंग पांच हफ्ते बाद भी किसी नतीजे पर नहीं पहुंची है। अलबत्ता अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप हर रोज कोई न कोई ऐसी घोषणा जरूर कर देते हैं जो व्यावहारिक रूप से हक़ीक़त में तब्दील होती नजर नहीं आती। पिछले कई दिनों से ट्रंप जमीनी लड़ाई की धमकी दे रहे हैं। जिसके बाद यह सवाल उठना शुरू हो गया है कि क्या ट्रंप जमीनी लड़ाई के अपने मंसूबों में कामयाब हो पाएंगे? यह सवाल इसलिए भी उठ रहा है क्योंकि बीते कुछ दिनों में हज़ारों अमेरिकी सैनिकों को मध्य-पूर्व भेजा गया है। अब तक यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि इन सैनिकों को किस मकसद से यहां भेजा गया है? इस विषय पर बात करने से पहले अतीत में झांकना जरूरी है। जो यह बताता है कि ईरान पर जमीनी हमला अमेरिका के लिए वियतनाम और अफगानिस्तान से भी बड़ी तबाही साबित हो सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि ईरान को घुटनों के बल लाने के लिए कम से कम 22 लाख सैनिकों की जरूरत होगी। उनका मानना है कि एयर स्ट्राइक से सत्ता बदलना नामुमकिन है और जमीनी जंग का नतीजा अमेरिका की सबसे बड़ी पराजय हो सकती है।ईरान की खतरनाक भौगोलिक बनावट, ऊंचे पहाड़ और विशाल रेगिस्तान इसे एक अभेद्य किले में बदल देते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि ट्रंप यदि ईरान में सत्ता परिवर्तन का इरादा रखते हैं तो जमीन पर बड़ी संख्या में सैन्य बल की मौजूदगी जरूरी है। यह वह कदम है जिसे अमेरिका उठाने से बच रहा है। ईरान में जब भी जमीनी हमले की बात आती है, तो बड़े-बड़े रणनीतिकारों के कदम पीछे हट जाते हैं। वजह है ईरान की जटिल टोपोग्राफी, विशाल भूभाग, पहाड़ी किलेबंदी, लंबी सप्लाई लाइन और असीमित युद्ध क्षमता। हाल में सोशल मीडिया पर आई पूर्व अमेरिकी मरीन दिग्गज लुकास गेज कीचेतावनी काबिले गौर है। वह कहते हैं कि ट्रंप ईरान की जमीन पर अपनी सेना उतार तो देंगे, लेकिन उन्हें जिंदा वापस लाना नामुमकिन होगा। प्राकृतिक रूप से यह देश ऐसा किला है, जहां घुसने का हर रास्ता मौत की घाटी से होकर गुजरता है।अब तक की लड़ाई में ट्रंप को इस बात का अंदाजा हो गया है कि सिर्फ आसमान से बम बरसाकर ईरान में सत्ता परिवर्तन नहीं किया जा सकता। इसके लिए जमीन पर मौजूदगी जरूरी है, लेकिन क्या अमेरिका उस तबाही के लिए तैयार है? ईरान का हर पहाड़ और हर रेगिस्तान अमेरिकी सेना के लिए एक नया फ्रंट खोल देगा, जहां रसद पहुंचाना और सैनिकों को बचाना नामुमकिन हो जाएगा।

आपको बता दें कि दुनिया कितनी भी तरक्की कर ले, लेकिन स्वास्थ्य सुविधाओं का अंतर आज भी मासूमों की जान ले रहा है। चिकित्सा जगत की प्रतिष्ठित पत्रिका लैंसेट की एक ताजा रिपोर्ट ने वैश्विक स्वास्थ्य व्यवस्था की कलई खोल दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, बचपन में होने वाले कैंसर (कर्क रोग) के 85 प्रतिशत नए मामले कम और मध्यम आय वाले देशों में सामने आ रहे हैं, लेकिन डराने वाली बात यह है कि इन देशों में मौतों का आंकड़ा कुल वैश्विक मौतों का 94 प्रतिशत है। यानी संसाधनों के अभाव में गरीब देशों के बच्चे इलाज मिलने से पहले ही दम तोड़ रहे हैं। दक्षिण एशिया इस संकट का बड़ा केंद्र बना हुआ है, जहां दुनिया के कुल चाइल्डहुड कैंसर से होने वाली मौतों का लगभग 20.5 प्रतिशत हिस्सा दर्ज किया गया. इसके अलावा, 1990 से 2023 के बीच इन मौतों में करीब 16.9 प्रतिशत की बढ़ोतरी भी देखी गई है. हालांकि एक पॉजिटिव पहलू यह भी है कि वैश्विक स्तर पर मौतों में कुछ कमी आई है, लेकिन इसका लाभ सभी देशों तक समान रूप से नहीं पहुंच पाया है. उच्च आय वाले देशों में इलाज बेहतर होने से बच्चों के बचने की संभावना ज्यादा है।

मनोज कुमार अग्रवाल

भारत में कैंसर से जीवन गंवाने वाले लोगों की तादाद लगातार बढ़ रही है तमाम कोशिश नाकाम बन रही है वहीं बच्चों के लिए कैंसर की बीमारी बेहद घातक बन रही है। दुनिया भर में बच्चों में कैंसर एक गंभीर और बढ़ती हुई चिंता बनता जा रहा है, लेकिन सबसे ज्यादा चिंता की बात यह है कि इसके ज्यादातर मामले और मौतें गरीब और मध्यम आय वाले देशों में हो रही हैं. द लैंसेट में पब्लिश ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज 2023 स्टडी ने इस असमानता को लेकर कई चौंकाने वाले आंकड़ सामने रखे हैं. रिपोर्ट के अनुसार, साल 2023 में दुनिया भर में बच्चों में कैंसर के लगभग 3.77 लाख नए मामले सामने आए, जबकि करीब 1.44 लाख बच्चों की मौत हो गई, यह बीमारी बच्चों में मौत के प्रमुख कारणों में शामिल हो चुकी है और खसरा, टीबी और एचआईवी एड्स जैसी बीमारियों से भी ज्यादा जान ले रही है।

आपको बता दें कि दुनिया कितनी भी तरक्की कर ले, लेकिन स्वास्थ्य सुविधाओं का अंतर आज भी मासूमों की जान ले रहा है। चिकित्सा जगत की प्रतिष्ठित पत्रिका लैंसेट की एक ताजा रिपोर्ट ने वैश्विक स्वास्थ्य व्यवस्था की कलई खोल दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, बचपन में होने वाले कैंसर (कर्क रोग) के 85 प्रतिशत नए मामले कम और मध्यम आय वाले देशों में सामने आ रहे हैं, लेकिन डराने वाली बात यह है कि इन देशों में मौतों का आंकड़ा कुल वैश्विक मौतों का 94 प्रतिशत है। यानी संसाधनों के अभाव में गरीब देशों के बच्चे इलाज मिलने से पहले ही दम तोड़ रहे हैं।

दक्षिण एशिया इस संकट का बड़ा केंद्र बना हुआ है, जहां दुनिया के कुल चाइल्डहुड कैंसर से होने वाली मौतों का लगभग 20.5 प्रतिशत हिस्सा दर्ज किया गया. इसके अलावा, 1990 से 2023 के बीच इन मौतों में करीब 16.9 प्रतिशत की बढ़ोतरी भी देखी गई है. हालांकि एक पॉजिटिव पहलू यह भी है कि वैश्विक स्तर पर मौतों में कुछ कमी आई है, लेकिन इसका लाभ सभी देशों तक समान रूप से नहीं पहुंच पाया है. उच्च आय वाले देशों में इलाज बेहतर होने से बच्चों के बचने की संभावना ज्यादा है, जबकि गरीब देशों में समय पर जांच और इलाज की कमी बड़ी बाधा बन रही है.

इस स्टडी की प्रमुख लेखक लिसा फोर्स कहती हैं कि स्वास्थ्य सेवाओं की असमानता के कारण ही यह अंतर पैदा हो रहा है. देर से डायग्नोसिस, जरूरी इलाज की कमी और स्वास्थ्य प्रणाली की कमजोरियां बच्चों की जान जोखिम में डाल रही हैं. रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि चाइल्डहुड कैंसर के 85 प्रतिशत नए मामले और 94 प्रतिशत मौतें इन्हीं लो और मिडिल इनकम देशों में होती हैं. इसके अलावा डिसएबिलिटी एडजस्टेड लाइफ ईयर्स का भी 94 प्रतिशत हिस्सा इन्हीं देशों में दर्ज किया गया, जो यह दिखाता है कि बीमारी का असर सिर्फ मौत तक सीमित नहीं है, बल्कि बच्चों की जिंदगी की क्वालिटी पर भी पड़ता है.

हाल ही में आइ ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीजेज रिपोर्ट के आंकड़ों का विश्लेषण बताता है कि साल 2023 में दुनिया भर में बचपन में कैंसर के 3,77,000 नए मामले आए, जिनमें से 1,44,000 बच्चों की मौत हो गई। यह बीमारी आज वैश्विक स्तर पर बच्चों की जान लेने वाला आठवां सबसे बड़ा कारण बन चुकी है।

आपको हैरत होगा कि मौतों के मामले में भारत दुनिया में पहले स्थान पर है। 2023 में बच्चों की मौतों का वैश्विक आंकड़े के मुताबिक सबसे ज्यादा भारत 17,000 मौतें चीन 16,000 मौतें नाइजीरिया में 9,000 मौतेंपाकिस्तान मे 9,000 मौतें हुई है। अध्ययन में एक हैरान करने वाला तथ्य सामने आया है। 1990 के मुकाबले वैश्विक स्तर पर बच्चों में कैंसर से होने वाली मौतों में 27 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है।इस वैश्विक रिपोर्ट में एक सकारात्मक पहलू भी है। 1990 में बचपन के कैंसर से लगभग 1.97 लाख मौतें हुई थीं। तब से लेकर अब तक दुनिया भर में मौतों के इस आंकड़ में 27 प्रतिशत की कमी आई है, लेकिन एक बड़ी चिंता यह भी है कि जहां पूरी दुनिया में मौतों का ग्राफ नीचे गिरा है, वहीं अफ्रीका में इसमें 55.6 प्रतिशत की भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। विश्लेषण कहता है कि यह सुधार समान नहीं है। जहां विकसित देशों में बेहतर तकनीक से बच्चों को बचाया जा रहा है, वहीं अफ्रीका में संसाधनों की भारी कमी के चलते कैंसर से होने वाली मौतों में 55.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। संसाधनों की कमी वाले इलाकों में बचपन का कैंसर अब बच्चों की मौत का आठवां सबसे बड़ा कारण बन चुका है।

रिपोर्ट के अनुसार, बच्चों में कैंसर से होने वाली मौतों के पीछे मुख्य रूप से तीन प्रकार के कैंसर जिम्मेदार पाए गए हैं। ल्यूकेमिया (ब्लड कैंसर) यह सबसे घातक साबित हुआ, जिससे दुनिया भर में 45,900 बच्चों की मौत हुई।दूसरा मस्तिष्क और तंत्रिका तंत्र इस कैंसर की वजह से 23,200 मासूमों ने जान गंवाई।तीसरा नॉन हॉजकिन लिंफोमा लसीका तंत्र के इस कैंसर से 15,200 मौतें दर्ज की गईं।

शोधकर्ताओं का कहना है कि यह रिपोर्ट केवल आंकड़े नहीं, बल्कि एक चेतावनी है। भारत जैसे देशों में, जो निम्न-मध्यम आय वर्ग में आते हैं, कैंसर मौतों में बचपन के कैंसर का योगदान 11वें स्थान पर है। इसका सीधा मतलब है कि अगर इन देशों में समय पर जांच (अर्ली डायग्नोसिस) और बुनियादी उपचार की सुविधाएं सुधारी जाएं, तो हजारों बच्चों को मौत के मुंह से निकाला जा सकता है। फिलहाल, संसाधनों की सीमित उपलब्धता ही इन मासूमों के जीवन और मृत्यु के बीच की सबसे बड़ी दीवार बनी हुई है।

भारत में कैंसर के बढ़ते मामलों के पीछे जागरूकता और सख्त नियमन की कमी तथा हर स्तर पर बरती जा रही अनदेखी जिम्मेदार है। सामान्यतः एक भारतीय जो भोजन ग्रहण करता है, उसकी सटीक जांच की न तो कोई फिक्र है और न ही कोई ऐसी व्यवस्था उसके आसपास मौजूद है, जिससे वह आसानी से भोजन में छिपे जहर की पड़ताल कर सके।हाल में बंगलुरु स्थित 'गट-हेल्थ स्टार्टअप माइक्रोबायोटीएक्स' के कराए गए शोध में सामने आया है। देश के नौ राज्यों और 14 शहरों के 200 शहरी भारतीयों के रक्त नमूनों के विश्लेषण में पाया गया कि 78 फीसद लोग कीटनाशक अवशेषों के संपर्क में हैं।

इस अध्ययन में शामिल लोगों में से 36 फीसद में तीन या अधिक कीटनाशकों का मिश्रित असर देखा गया, जो गंभीर स्वास्थ्य जोखिमों की ओर संकेत करता है। विषाक्त पदार्थ भूजल और वायु प्रदूषण के रास्ते शरीर में प्रवेश कर रहे हैं। जांच के बाद आई रपट में कहा गया है कि 54 फीसद नमूनों में एंटीबायोटिक्स और 39 फीसद में स्टेरायड पाए गए। यह हार्मोन के असंतुलन और कैंसर जोखिम बढ़ा सकता है। किसानों को इस बारे में जानकारी नहीं दी गई है कि किसी फसल पर कितनी मात्रा में कीटनाशकों का छिड़काव किया जाना चाहिए। विशेषज्ञ कहते हैं कि अनाजों और फल-सब्जियों में यह मात्रा इतनी रहनी चाहिए कि मनुष्यों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर न पड़े। इस तरह से 'एमआरएल' कीटनाशकों के अंधाधुंध और गलत प्रयोग पर बंदिश लगाने वाली पहली शर्त है, लेकिन सिर्फ मुनाफा कमाने के लिए तमाम फलों को कार्बेट से पकाया जा रहा है यहां तक कि देश में बिकने वाले कॉल्ड ड्रिंक और ब्रेड में भी खतरनाक स्तर तक रसायन का इस्तेमाल धडल्ले से किया जा रहा है ऐसे हालात में भारत में कैंसर की महामारी का बढ़ता खतरा नियंत्रित करना संभव नहीं है। सरकार और आमजन सभी को जागरूक होना होगा।

युद्ध की आग में तपती भारतीय अर्थव्यवस्था

योगेश कुमार गोयल

दशकों पहले युद्ध केवल सीमाओं पर जमीन के टुकड़ों के लिए लड़े जाते थे लेकिन 2026 का यह दौर गवाह है कि आधुनिक युद्ध 'संप्रभुता' से ज्यादा 'संसाधनों' का है। युद्ध की गोलियां, मिसाइलें अब ऊर्जा की पाइपलाइनों और तेल के टैंकरों पर चलती है। पश्चिम एशिया में ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच छिड़ा यह त्रिकोणीय संघर्ष भी महज जमीन का विवाद नहीं है बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था की जीवनरेखा 'ऊर्जा आपूर्ति' पर नियंत्रण की जंग है। भारत के लिए यह संकट केवल पैट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों तक सीमित नहीं है बल्कि यह एक ऐसी राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौती है, जिसने देश के सामने एक अदृश्य 'ऊर्जा लॉकडाउन' का खतरा पैदा कर दिया है। जब संसद में प्रधानमंत्री ने इस संकट की तुलना 'कोरोना काल' की विभीषिका से की तो उनका आशय घर में बंद होने से नहीं बल्कि उस वैश्विक अनिश्चितता से था, जो किसी भी क्षण भारत की विकास दर के पहियों को जाम कर सकती है। यदि 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' पर ताला लगता है तो भारत की रगों में दौड़ने वाला 60 प्रतिशत तेल और एलएनजी का प्रवाह थम जाएगा, जो देश को एक भयावह 'ऊर्जा लॉकडाउन' की ओर धकेल सकता है। विश्व मानचित्र पर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज वह संकरा जलमार्ग है, जिससे दुनिया का लगभग 20 प्रतिशत कच्चा तेल और भारी मात्रा में एलएनजी गुजरती है। ईरान द्वारा इस जलमार्ग को प्रभावित करने का अर्थ है, वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति की गर्दन दबाना। फरवरी 2026 के अंत से शुरू हुए इस युद्ध ने मात्र पांच हफ्तों में कच्चे तेल की कीमतों को 85 डॉलर से 110 डॉलर के पार पहुंचा दिया है। भारत अपनी एलपीजी जरूरतों का 40 प्रतिशत अकेले कतर से पूरा करता है। कतर के रास लाफान एलएनजी प्लांट पर हुए हमलों ने न केवल उत्पादन घटाया है बल्कि भारत के घरेलू चूल्हों तक पहुंचने वाली गैस की कीमतों में आग लगा दी है। युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक कच्चे तेल की कीमतें 85 डॉलर से उछलकर 110 डॉलर प्रति बैरल को छू रही हैं। भारत के लिए गणित सीधा और क्रूर है, कच्चे तेल में 10 डॉलर की हर बढ़ोतरी हमारे चालू खाता घाटे में लगभग 12-15 अरब डॉलर की वृद्धि करती है। यह स्थिति हमें दो टूक शब्दों में चेतावनी दे रही है कि पराई बैसाखियों पर टिकी ऊर्जा सुरक्षा कभी भी धराशायी हो सकती है।

ऊर्जा सुरक्षा के मोर्चे पर भारत की सबसे बड़ी कमजोरी उसका सीमित सामरिक पैट्रोलियम भंडार है। दुनिया के विकसित देश जैसे अमेरिका, जापान और चीन अपनी ऊर्जा सुरक्षा के लिए 90 दिनों का 'स्ट्रैटिजिक पेट्रोलियम रिजर्व' रखते हैं, वहीं भारत की स्थिति चिंताजनक है। वर्तमान में हमारे पास विशाखापट्टनम, मंगलुरु और पाडुर में कुल 53.3 लाख टन का भंडार है, जो मुश्किल से 9 दिन की आपूर्ति कर सकता है। हालांकि दूसरे चरण में चंडीखोल और बीकानेर जैसे स्थानों पर भंडार क्षमता बढ़ाकर इसे 60-65 दिनों तक ले जाने की योजना है लेकिन इसकी गति 'युद्धस्तर' पर नहीं है। हमारे मौजूदा भंडार का करीब 36 प्रतिशत हिस्सा खाली पड़ा है। एक तरफ हम तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का स्वप्न देख रहे हैं और दूसरी तरफ हमारी ऊर्जा की 'लाइफलाइन' केवल कुछ दिनों के स्टॉक पर टिकी है। यदि आज हमारे पास 90 दिनों का सुरक्षित भंडार होता तो भारत को अपनी विदेश नीति में तटस्थता का नाटक नहीं करना पड़ता बल्कि वह एक सशक्त वैश्विक खिलाड़ी की तरह अपना पक्ष रख सकता था। यदि होर्मुज जलडमरूमध्य 30 दिनों के लिए बंद हो जाता है और भारत के लिए आपूर्ति बाधित होती है तो भारत की अर्थव्यवस्था 'वेंटिलेटर' पर आ जाएगी। इसलिए चंडीखोल और बीकानेर में प्रस्तावित दूसरे चरण के भंडारों का निर्माण युद्धस्तर पर होना अब विकल्प नहीं, अनिवार्यता है।

भारत की रणनीतिक स्वायत्तता आज तेल की निर्भरता के कारण परीक्षा की घड़ी में है। तेल की निर्भरता केवल आर्थिक बोझ नहीं बल्कि कूटनीतिक बेड़ियां भी है। भारत को अपने पुराने और रणनीतिक मित्र ईरान का साथ छोड़कर इजरायल और अमेरिकी समर्थित खाड़ी देशों के पाले में खड़े होने पर मजबूर होना पड़ा है। यह बदलाव केवल नीतिगत नहीं बल्कि विवशतापूर्ण है। खाड़ी देशों में रहने वाले 90 लाख भारतीयों की सुरक्षा और वहां से आने वाला 'रेमिटेंस' भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। इसलिए खाड़ी देशों में रहने वाले 90 लाख भारतीय प्रवासियों के हितों और तेल की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए ही भारत को अपनी स्वतंत्र विदेश नीति से समझौता करना पड़ रहा है। जब तक हम ऊर्जा के लिए आयात पर 85 प्रतिशत निर्भर रहेंगे, तब तक हमारी विदेश नीति की चाबी विदेशी राजधानियों के हाथों में रहेगी और वाशिंगटन या तेहरान में होने वाली हर हलचल नई दिल्ली के माथे पर चिंता की लकीरें खींचती रहेगी। यह युद्ध हमें सिखाता है कि सच्ची संप्रभुता केवल सीमाओं की रक्षा में नहीं बल्कि ऊर्जा की आत्मनिर्भरता में निहित है।

युद्ध के बीच भारत में लॉकडाउन की अफवाहों ने पैनिक पैदा किया है। हालांकि, तीन मंत्रियों निर्मला सीतारमण, किरेन रिजिजू और हरदीप पुरी ने स्पष्ट किया कि देश सुरक्षित है। सरकार की ओर से दावा किया जा रहा है कि भारत के पास तेल और गैस की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए विविधीकृत स्रोत हैं और पैनिक की कोई आवश्यकता नहीं है लेकिन सतर्कता और ऊर्जा संरक्षण हमारा सामूहिक धर्म है। सरकार का यह स्पष्टीकरण अल्पकालिक राहत तो देता है लेकिन एक दीर्घकालिक प्रश्न भी छोड़ता है कि क्या हम हर संकट के समय केवल डैमेज कंट्रोल ही करते रहेंगे या भविष्य की नींव रखेंगे?

वैश्विक ऊर्जा संकट और बढ़ती आयात निर्भरता के इस दौर में वैकल्पिक ऊर्जा अब केवल एक विकल्प नहीं बल्कि राष्ट्रीय अनिवार्यता बन चुकी है। ऊर्जा आत्मनिर्भरता ही सच्ची स्वतंत्रता का आधार है और भारत को इस दिशा में निर्णायक कदम उठाने होंगे। प्रधानमंत्री की मुफ्त बिजली योजनाएं और रूफटॉप सोलर मिशन केवल नीतिगत पहल नहीं बल्कि आत्मनिर्भर भारत के सशक्त आधारस्तंभ हैं। भारत में 33 करोड़ एलपीजी उपभोक्ता हैं, जो बड़े पैमाने पर आयातित ईंधन पर निर्भर हैं। यदि रसोई को इंडक्शन कुकिंग और एथनॉल आधारित विकल्पों की ओर मोड़ा जाए तो न केवल खर्च कम होगा बल्कि ऊर्जा आयात का बोझ भी घटेगा। लगभग 8 रुपये प्रति यूनिट की दर से बिजली पर खाना बनाना एलपीजी की तुलना में किफायती है, वहीं कृषि अवशेषों से बनने वाला एथनॉल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा दे सकता है। इससे 'अन्नदाता' ही 'ऊर्जादाता' बन सकता है। परिवहन क्षेत्र में विद्युतीकरण भी उतना ही आवश्यक है। वर्तमान में तेल की सबसे अधिक खपत इसी क्षेत्र में होती है जबकि बिजली की हिस्सेदारी नगण्य है। यदि सार्वजनिक और वाणिज्यिक परिवहन को इलैक्ट्रिक किया जाए तो अरबों डॉलर की विदेशी मुद्रा बचाई जा सकती है।

बिना जिज्ञासा के उपदेश सुनना व्यर्थ है

आज प्रत्येक संस्था की एक दशा है। त्यागी, परोपकारी, उद्योगी एक या अनेक व्यक्ति संस्था स्थापित करते हैं। आरंभ में संस्था विशुध्द रूप में चलती है। जैसे ही वह इस योग्य होती है कि उससे कुछ स्वार्थ सिध्द हो सके। जनता में सम्मान प्राप्त हो सके, उसमें पदलोलुप, स्वार्थी व्यक्ति घुस जाते हैं। धीरे-धीरे संस्था पर उन्हीं का अधिकार हो जाता है, वे प्रमुख हो जाते हैं। जो सचमुच निःस्वार्थ परोपकारवृत्ति से लगे उद्योगी उसमें होते हैं, वे या तो कुछ कर नहीं पाते या पृथक होने को बाध्य होते हैं। लेख लिखना, भाषण देना और अभिनव करना, ये कलाएं हैं। यह आवश्यक नहीं कि लेखक या वक्ता जिन गंभीर तथ्यों को प्रकट कर रहा है, उनका अनुभव भी करता हो, जो उपदेश दे रहा है, उसका आचरण भी करता हो। सभाओं में जब कोई बोलने लगता है तो थोड़े ही वक्त होते हैं, जो यह नहीं चाहते कि जनता उनकी बात को ध्यान से सुने। जनता ध्यान से सुने, इसके लिए जनता की रूचि की बात कहनी चाहिये। इस प्रकार वास्तविकता की अपेक्षा कला एवं विद्वता को अधिक महत्व मिलता है। यह भी व्यवसाय बन जाता है और जो इस प्रकार का व्यवसाय ही करते हैं, उनका जीवन अन्तर्मुख कैसे हो सकता है। यही दशा लेखक की भी है, यदि वह अपने लेखों को व्यापक बनाने के ध्यान से लिखता है। धर्म भी प्रचार की वस्तु-यह हिन्दू समाज ने स्वीकार ही नहीं किया। धर्म तो अधिकार के अनुसार प्राप्त करके आचरण करने की वस्तु है। अनधिकार को उसका उपदेश ही वर्जित है। समाज का प्रत्येक क्षेत्र जहां धर्म पर अवलम्बित है, धर्म से ओतप्रोत है, वहां किसी क्षेत्र में प्रचार के लिए स्थान नहीं बचता। वस्तुतः प्रचार है क्या वस्तु? हम अपने वचारों से दूसरों को प्रभावित करना चाहते हैं, क्यों? इसलिए कि हम अपने विचारों को श्रेष्ठ मानते हैं और दूसरों का उसका आचरण करके कल्याण होगा, ऐसा हमारा विश्वास है अथवा हमें दूसरों को अनुगामी बनाना है। अपनी यश, इच्छा या किसी दूसरी इच्छा को सार्थक करना है। ज्ञान का मार्ग है जिज्ञासा। जब तक स्वयं जिज्ञासा न हो, किसी को उपदेश लाभ नहीं करता। उपदेश से जहां जिज्ञासा उत्पन्न होती है, वहीं यह भी भय रहता है कि स्वाभाविक रूचि दबती है और मानसिक धारा अस्त-व्यस्त हो सकती है।

आज का इतिहास

1818 - ब्रिटिश सरकार ने बिना मुकदमे के लोगों को निर्वासित करने और हिरासत में रखने वाला कानून बंगाल स्टेट प्रिजनर्स रेगुलेशन एक्ट पेश किया। यह कानून देश की आजादी तक प्रभावी रहा।

1827 - एक समय था जब माचिस हर घर की जरूरत थी। माचिस की बिक्री 7 अप्रैल को ही शुरू हुई थी। ब्रिटेन के रसायनशास्त्र जॉन वॉकर ने इसकी शुरुआत की थी।

1919 - बाबेरियन सोवियत गणराज्य की स्थापना।

1929 - पहली वाणिज्यिक उड़ान भारत पहुंची, जब ब्रिटेन के इंपीरियल एयरवेज की लंदन-काहिरा सेवा को कराची तक बढ़ाया गया।

1939 - दूसरे विश्वयुद्ध में अल्बानिया पर इटली का कब्जा।

1940 - अमेरिका में डाक टिकट पर पहली बार अश्वेत अमेरिकी बुकर टी. वॉशिंगटन की तस्वीर छापी गई।

1948 - संयुक्त राष्ट्र द्वारा विश्व स्वास्थ्य संगठन का गठन।

1955 - विंस्टन चर्चिल ने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दिया।

1969 - दुनिया में सूचना तकनीक के मैदान में बड़ी क्रांति। इसी दिन इंटरनेट का जन्म हुआ था।

1978 - अमेरिका के राष्ट्रपति जिमी कार्टर ने न्यूट्रान बम के विकास पर रोक लगाई।

1994 - रवांडा के राष्ट्रपति जुवेनल हेव्यारिमाना एवं बुरुंडी के राष्ट्रपति सिप्रियन न्तायमिटा का किगाली हवाई अड्डे पर राकेट हमले में निधन।

1998 - विश्व स्वास्थ्य दिवस को महिला चिकित्सा दिवस के रूप में मनाने का विश्व स्वास्थ्य संगठन की घोषणा।

2000 - ब्राजील से विश्व के सबसे छोटे अखबार 'योर आनर' का प्रकाशन प्रारम्भ।

2000 - भारत में करोड़ों रुपये की मैच फिक्सिंग और सट्टेबाजी के रैकिट का पर्दाफाश।

2004 - एमनेस्टी इंटरनेशनल द्वारा जारी रिपोर्ट में मौत की सज़ा देने में चीन, ईरान व अमेरिका को सबसे आगे बताया गया है। क्वालालंपुर में म्यांमार दूतावास के शरणार्थियों को आग के हवाले किया।

2008 - असम में प्रतिअबंधित उग्रवादी संगठन 'उल्फा' ने अपना 30वां स्थापना दिवस मनाया। दो दिवसीय भारत-अफ्रीका पहली शिखर बैठक नई दिल्ली में प्ररम्भ।

बेमौसम बारिश का कहर: किसानों की मेहनत पर प्रकृति की मार

सुनील कुमार महला

भारत विश्व का एक प्रमुख कृषि प्रधान देश है, जहाँ आज भी बड़ी आबादी की आजीविका कृषि पर निर्भर है। दूसरे शब्दों में, भारत की अर्थव्यवस्था का एक बड़ा हिस्सा खेती-किसानी से जुड़ा हुआ है। यहाँ कृषि मुख्यतः प्रकृति, विशेषकर मानसून पर आधारित है, इसलिए इसे अक्सर मानसून का जुआ कहा जाता है।मार्च और अप्रैल का समय किसानों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। वास्तव में, यही वह अवधि होती है जब रबी फसलें पककर तैयार हो जाती हैं और उनकी कटाई शुरू होती है। यह समय किसानों के लिए उनके पूरे वर्ष के परिश्रम और आशाओं के साकार होने का होता है। लेकिन विडंबना यह है कि हर वर्ष की तरह इस बार भी बेमौसम बारिश ने किसानों की उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। तैयार खड़ी फसलें खेतों में ही नष्ट हो रही हैं, जिससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। यह स्थिति न केवल उनकी आजीविका को प्रभावित करती है, बल्कि कृषि क्षेत्र की अनिश्चितता को भी उजागर करती है।

बहरहाल, यहां यह कहना ग़लत नहीं होगा कि वर्तमान में उत्तर भारत के कई हिस्सों में बेमौसम मौसम का कहर देखने को मिल रहा है। राजस्थान के हाड़ौती और बीकानेर क्षेत्रों में हुई तेज ओलावृष्टि ने किसानों की कमर तोड़ दी है। खेतों में खड़ी गेहूं, सरसों और चना जैसी रबी फसलें, जो कटाई के लिए

पूरी तरह तैयार थीं, अचानक गिरे ओलों और बारिश की मार से बर्बाद हो गईं। कई स्थानों पर ओलों की मोटी परत ने खेतों को सफेद चादर से ढक दिया, जो किसानों के लिए किसी प्राकृतिक आपदा से कम नहीं है।इसी प्रकार हरियाणा और पंजाब में भी ओलावृष्टि तथा तेज आंधी-बारिश ने भारी नुकसान पहुँचाया है। इन राज्यों में भी गेहूं की फसल कटाई के लिए तैयार थी, लेकिन अचानक बदले मौसम ने किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया। फसलें खेतों में गिर गईं, दाने झड़ गए और उनकी गुणवत्ता प्रभावित हुई, जिससे बाजार में कीमतों पर भी असर पड़ने की आशंका है।

यहां पाठकों को यह बताता चलूं कि राजस्थान के जयपुर से जैसलमेर तक कई जिलों में तेज बारिश, आंधी और ओलावृष्टि दर्ज हुई।बीकानेर, जोधपुर, अजमेर, कोटा, भरतपुर और उदयपुर संभागों में भी इसका असर देखने को मिला।कई स्थानों पर बड़े आकार के ओले (नींबू जितने) गिरे, जिससे फसलों और मकानों को नुकसान हुआ। इसी तरह से पंजाब राज्य में गरज-चमक के साथ बारिश और कई स्थानों पर ओले गिरने की पुष्टि हुई है तथा 3–5 अप्रैल के दौरान ओलावृष्टि की चेतावनी और असर, विशेषकर मालवा- दोआबा क्षेत्रों में देखने को मिला।हरियाणा में भी 3-4 अप्रैल को तेज हवाएं, बारिश और ओलावृष्टि दर्ज की गई। वहीं उत्तर प्रदेश के लखनऊ में ओलावृष्टि दर्ज हुई तो कानपुर, नोएडा, गाजियाबाद, आगरा सहित पश्चिमी यूपी के कई जिलों में भी इसका असर देखने को मिला। 3–5 अप्रैल के बीच पश्चिमी यूपी और 4–5 अप्रैल को पूर्वी यूपी में ओलावृष्टि की स्थिति देखने को मिली। उत्तराखंड के चकराता क्षेत्र में ओलावृष्टि से फसलों को भारी नुकसान हुआ तथा 3-7 अप्रैल के बीच पर्वतीय क्षेत्रों में ओलावृष्टि और तेज हवाओं का अलर्ट जारी किया गया है। हिमाचल प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश के साथ ओलावृष्टि और ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी तथा 3-4 अप्रैल को अलग-अलग स्थानों पर ओले गिरने की चेतावनी और घटनाएं हुईं।इसी प्रकार से जम्मू-कश्मीर के मैदानी क्षेत्रों में बारिश और कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि, जबकि ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी तथा 4-9 अप्रैल के बीच गरज-चमक, तेज हवाओं और ओलावृष्टि की संभावना जताई गई।विशेषज्ञों के अनुसार, इस असामान्य मौसम का मुख्य कारण सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ है, जो बार-बार उत्तर-पश्चिम भारत में बारिश और ओलावृष्टि ला रहा है। यह स्थिति कृषि पर निर्भर करोड़ों किसानों के लिए गंभीर चिंता का विषय बन गई है, क्योंकि उनकी आजीविका पूरी तरह प्रकृति पर निर्भर है। वास्तव में, देश के विभिन्न हिस्सों में लगातार हो रही ओलावृष्टि और बेमौसम बारिश ने यह स्पष्ट कर दिया है कि कृषि आज भी प्राकृतिक जोखिमों से घिरी हुई है। ऐसी स्थिति में किसानों को समय पर मुआवजा, फसल बीमा का लाभ और सटीक मौसम पूर्वानुमान उपलब्ध कराना अत्यंत आवश्यक है, ताकि उनके नुकसान को कुछ हद तक कम किया जा सके।दिन-रात मेहनत करने के बाद भी यदि किसान को उसका उचित फल न मिले, तो उसका दर्द वही समझ सकता है जिसने उसे झेला हो। वर्तमान परिस्थितियों में बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि ने किसानों की इसी मेहनत को प्रभावित किया है। पंजाब सहित कई राज्यों में गेहूं की फसल पकने के अंतिम चरण में है, और ऐसे समय में खराब मौसम से फसलों को भारी नुकसान हो रहा है। यह स्थिति विशेष रूप से छोटे और सीमांत किसानों के लिए अत्यंत चिंताजनक है, जिनकी आजीविका पूरी तरह खेती पर निर्भर होती है। गौरतलब है कि आज भी देश के अधिकांश किसानों के पास सीमित संसाधन हैं, ऐसे में फसल खराब होने पर उनका आर्थिक संतुलन बिगड़ना स्वाभाविक है। यद्यपि सरकार ने प्राकृतिक आपदाओं से राहत के लिए कई योजनाएँ शुरू की हैं, फिर भी इनका लाभ हर जरूरतमंद किसान तक पहुँचना अभी भी एक बड़ी चुनौती बना हुआ है। हाल फिलहाल, बैसाखी का पर्व निकट है, जो गेहूं की कटाई का प्रमुख समय माना जाता है। लेकिन मौसम की अनिश्चितता ने किसानों की चिंताओं को और बढ़ा दिया है। यदि यही स्थिति बनी रही, तो उत्पादन में कमी आएगी, जिसका प्रभाव न केवल किसानों की आय पर पड़ेगा, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था और जीडीपी पर भी स्पष्ट रूप से दिखाई देगा। इस गंभीर परिस्थिति में कृषि विशेषज्ञों को ऐसी उन्नत तकनीकों का विकास करना चाहिए, जो बदलते मौसम के अनुसार फसलों की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकें। साथ ही, सरकार को प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा प्रदान करना चाहिए और अगली फसल के लिए आसान ऋण उपलब्ध कराना चाहिए। संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए जाने चाहिए कि किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। इसके अतिरिक्त, अनाज मंडियों और भंडारण की समुचित व्यवस्था भी आवश्यक है, ताकि किसानों की उपज सुरक्षित रह सके और उन्हें उचित मूल्य मिल सके।

अंत में संक्षेप में यही कहूंगा कि बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भारतीय कृषि आज भी प्राकृतिक अनिश्चितताओं के बीच संघर्ष कर रही है। ऐसे में समय पर राहत, सुदृढ़ फसल बीमा, सटीक मौसम पूर्वानुमान और उन्नत कृषि तकनीकों का विकास ही किसानों को इस संकट से उबारने का प्रभावी मार्ग बन सकता है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर-7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व बी-142/2, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित।
संपादकीय एवं संपर्क कार्यालय ए-152 सेक्टर-63, नोएडा-201301 संपादक - आदित्य वशिष्ठ कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा आर.एन.आई. DELHIN/2012/42452
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे। e-mail: Jbttimes2021@ gmail. Com

एनएसजी भारत का अभेद्य कवच, इनकी वजह से हम हर हाल में सुरक्षित : सीएम मोहन यादव

लाल परेड मैदान में हुआ नेशनल सिक्योरिटी गार्ड शो, मुख्यमंत्री ने किया समग्र क्षमता निर्माण प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन कार्यक्रम का शुभारंभ

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि यद्यपि हमारी संस्कृति हमें सबके सुख की कामना करना सिखाती है। लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सशक्त नेतृत्व में दुनिया यह भी जान गई है कि यदि कोई हमें छेड़ेगा, तो हम उसे नहीं छोड़ेंगे। जो जिस भाषा में समझे, उसे उसी भाषा में समझाना जरूरी है।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) भारत का अभेद्य सुरक्षा कवच है। एनएसजी के कारण ही हमारी आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था बेहद सुदृढ़ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को भोपाल स्थित लाल परेड मैदान में आयोजित एनएसजी-शो में सहभागिता कर एनएसजी द्वारा मध्य प्रदेश पुलिस के जवानों के लिए आयोजित समग्र क्षमता निर्माण प्रशिक्षण और प्रदर्शन के साझा कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अतिवादी ताकतें देश के विकास में बड़ी बाधक हैं। हमें ऐसी ताकतों से पूरी मजबूती से निपटना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश में बीते कालावधि में हुई किसी भी प्रकार की अतिवादी, अप्रिय घटनाओं एवं असामान्य परिस्थितियों में एनएसजी गार्ड की पूरी मुस्तैदी से मौजूदगी ने हमें यह एहसास कराया है कि एनएसजी है तो हम हर हाल में सुरक्षित हैं। एनएसजी देश की सीमा के भीतर नागरिक सुरक्षा की पक्की गारंटी की तरह है। एनएसजी के जवान अपनी जान की परवाह किए बिना राष्ट्र की रक्षा में तत्पर रहते हैं। यह बल अपनी पेशेवर क्षमता, अनुशासन और तकनीकी दक्षता के लिए पूरे विश्व में प्रसिद्ध है। उन्होंने लाल परेड मैदान में आयोजित एनएसजी शो देखा और कमांडो के प्रदर्शन की सराहना की।

शो के दौरान एनएसजी जवानों ने मॉक टेररिस्ट अटैक का रीयलस्टिक सीन क्रिएट कर इस तरह के अटैक्स को काउंटर कर पूरी क्षमता से निपटने के लिए एनएसजी द्वारा अपनाई जाने वाली पूरी प्रकिया एवं कार्रवाई का सजीव प्रदर्शन किया गया। उन्होंने कहा कि यह शो पुरुषार्थ और साहस से पराक्रम की पराकाष्ठा के प्रदर्शन का परिचायक है। इस प्रशिक्षण प्रदर्शन में जवानों ने हवा में उड़ते हुए जो करतब दिखाए हैं, वे सच में अद्भुत है। एनएसजी जवान हमारी सुरक्षा व्यवस्था की धुरी हैं। जल, थल, नभ हर तरह से देश पर किसी भी तरह की चुनौतियां और कठिनाइयां आ सकती हैं, इनसे निपटने की तैयारियों के लिए यह प्रशिक्षण और पूर्वाभ्यास बेहद महत्वपूर्ण है। प्रशिक्षण कार्यक्रम सह एनएसजी शो के शुभारंभ अवसर पर पुलिस बैंड द्वारा मुख्यमंत्री डॉ. यादव का अभिनंदन किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसी भी प्रकार के टेररिस्ट अटैक से निपटने के लिए हम अपने सुरक्षा बलों, एटीएस और सीटीजी को और अधिक मजबूत करेंगे। सीटीजी के आधुनिकीकरण के लिए सरकार ने 200 करोड़ रुपये की डीपीआर तैयार की है। जल्द ही हम इस दिशा में आगे बढ़ने जा रहे हैं। उन्होंने घोषणा की कि टेररिस्ट अटैक को पूरी दक्षता से काउंटर करने सभी जरूरी प्रशिक्षण के लिए हमारी सरकार भोपाल जिले की हुजुर तहसील के ग्राम तूमड़ा में अत्यधुनिक प्रशिक्षण केन्द्र खोलेगी।

इस सेंटर के जरिए हम अपने सुरक्षा बलों को किसी भी प्रकार की आकस्मिक आपदा एवं अतिवादी ताकतों से निपटने के लिए पूरी क्षमता से तैयार करेंगे। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश देश के मध्य में है, इसलिए यह सेंटर देश की सुरक्षा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। हमारे जवान अपने हथियार और बुद्धिमत्ता से सभी प्रकार के संकटों से निपटने में सक्षम हैं।

उन्होंने कहा कि नागरिकों की सेवा और सुरक्षा के लिए हमारी सरकार हर समय तत्पर है। हमारी एटीएस आतंकवाद के खिलाफ एक मजबूत दीवार बनकर खड़ी है। इनकी मदद के लिए तैयार की गई काउंटर टेररिस्ट ग्रुप (सीटीजी) हमारी असॉल्ट यूनिट, आधुनिक हथियारों और मॉडर्न टेक्निक से लैस है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत को अपने सशस्त्र बलों पर बेहद गर्व है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में दुनिया में भारत की अलग पहचान बन रही है। वर्ष 1984 में एनएसजी की स्थापना हुई। एक समय था जब हमारे देश के प्रधानमंत्री भी अपने घर में सुरक्षित नहीं हुआ करते थे। एक सार्वजनिक कार्यक्रम में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की माला पहनाते हुए हत्या कर दी गई। एनएसजी का स्लोगन 'सर्वत्र सर्वोत्तम सुरक्षा' है, जो विजय भाव की अनुभूति कराता है। एनएसजी जवानों का शौर्य और निष्ठा बेजोड़ है। जब भी देश में कोई संकट आता है। हमारे एनएसजी जवान (ब्लैक कैट कमांडोज़) देशवासियों को पूरी सुरक्षा देते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में अब हमारी सेना देश के दुश्मनों को उनके घर में घुसकर मारने का माद्दा रखती है। पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने कहा कि एनएसजी और म.प्र. पुलिस का यह साझा प्रशिक्षण कार्यक्रम 7 अप्रैल से 4 मई 2026 तक करीब एक माह चलेगा। इस दौरान काउंटर अटैक सहित करीब 8 प्रमुख विषयों पर जवानों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस दौरान पुलिस जवान काउंटर/टेररिस्ट अटैक से निपटने की ट्रेनिंग लेंगे और अपने कला, कौशल और टेक्निक को बेहतर से बेहतर बनाएंगे। हम नई चुनौतियों को लेकर तैयार हो रहे हैं। हमारी एटीएस और एसटीएफ पूरी क्षमता से काम कर रही हैं। हमारी सुरक्षा वाहिनियां वीवीआईपी और वीआईपी को पूरी मुस्तैदी से सुरक्षा मुहैया करा रही है।

एनएसजी के महानिदेशक बी. श्रीनिवासन ने कहा कि पुलिस जवान अपनी योग्यता और क्षमता के दम पर एनएसजी से जुड़ते हैं। मध्यप्रदेश की एटीएस और सीटीजी बहुत अच्छी तरह अपनी सेवाएं दे रही हैं। उन्होंने कहा कि हमने मध्यप्रदेश पुलिस के एक हजार 164 जवानों और देश के करीब 26 हजार जवानों को प्रशिक्षण दिया है। हम खुद अपने प्रशिक्षण कार्यक्रमों में नवाचार और सुधार लाकर जवानों का कौशल संवर्धन कर रहे हैं। प्रशिक्षण के दौरान मुख्यतः पुलिस जवानों को आतंकवादी घटनाओं से निपटने के गुर सिखाकर उनका कौशल संवर्धन किया जाएगा। पुलिस महानिदेशक मकवाणा और एनएसजी महानिदेशक श्रीनिवासन ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को पौधा भेंटकर स्वागत किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को प्रतीक चिन्ह भी भेंट किया गया। एडीजी सशस्त्र सुरक्षा बल चंचल शेखर ने आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने एनएसजी से प्रशिक्षण ले रहे म.प्र. पुलिस के सभी जवानों के साथ समूह चित्र खिंचवाकर उनका उत्साहवर्धन भी किया।

देश में रसोई गैस का पर्याप्त भंडार, घबराकर अनावश्यक भंडारण न करें : केंद्र

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) और ईंधन की आपूर्ति को लेकर सोशल मीडिया पर फैल रहीं तमाम प्रकार की भ्रामक खबरों और अफवाहों पर लोगों से विश्वास न करने की अपील की है। सरकार ने कहा है कि भारत में ईंधन और गैस का पर्याप्त स्टॉक है। उपभोक्ता अपनी आवश्यकतानुसार ही खरीदारी करें और घबराकर अनावश्यक भंडारण न करें।

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय में संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने सोमवार को राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि देश में गैस का पर्याप्त भंडार मौजूद है और प्रतिदिन लगभग 50 लाख सिलेंडर बेचे जा रहे हैं। पिछले 14 दिनों में 6.75 लाख से अधिक छोटे सिलेंडर बेचे गए हैं। शर्मा ने कहा कि बढ़ती मांग को देखते हुए सरकार ने 5 किलोग्राम वाले छोटे एलपीजी सिलेंडरों की बिक्री तेज कर दी है। इसके लिए उपभोक्ता केवल एक वैध पहचान पत्र के साथ नजदीकी विक्रेता से 5 किलो का सिलेंडर ले सकता है। इसके लिए आवास प्रमाण पत्र की जरूरत नहीं है। चार अप्रैल को इसकी बिक्री 90 हजार के पार पहुंच गई। किसी भी विक्रेता के पास स्टॉक खत्म होने की स्थिति नहीं है। पिछले पांच सप्ताह में लगभग 18 करोड़ घरों को एलपीजी सिलेंडर पहुंचाया गया है। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण एलपीजी आयात प्रभावित हुआ है, क्योंकि भारत अपनी जरूरत का एक बड़ा हिस्सा इसी क्षेत्र से मंगवाता है। सरकार ने समय रहते अतिरिक्त कार्गो का इंतजाम कर लिया है ताकि घरेलू उपभोक्ताओं को किसी तरह की समस्या का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि देश के विभिन्न राज्यों में पिछले दो दिनों में करीब 5,500 जागरूकता शिविर लगाए गए हैं जिसमें 6,700 पांच किलो के सिलेंडर बेचे गए हैं। इन राज्यों में आंध्र प्रदेश, असम, बिहार, छत्तीसगढ़, चंडीगढ़, दिल्ली, गोवा, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, झारखंड, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, पुडुचेरी, पंजाब, राजस्थान, तमिलनाडु, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल शामिल हैं। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन बुकिंग अब तक के उच्चतम स्तर 97 प्रतिशत पर पहुंच गई है। गैस की कालाबाजारी और डायवर्जन को रोकने के लिए 90 प्रतिशत डिलीवरी अब डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड (ओटीपी) के जरिए की जा रही है।

इंदिरा गांधी ने कहा था असम 'शांति का द्वीप' : मल्लिकार्जुन खड़गे

कछार (असम)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष व लोकसभा सांसद मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोमवार को सिलचर के बरखोला में आयोजित एक विशाल चुनावी जनसभा में पहुंचे, जहां उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी अभिजीत पाल के समर्थन में प्रचार किया।

इस दौरान उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने कभी असम को 'शांति का द्वीप' बताया था। जनसभा को संबोधित करते हुए मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि वर्तमान समय में असम की परिस्थितियां बदल गई हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले 10 वर्षों से बराक घाटी की अनदेखी की जा रही है और क्षेत्र विकास के मामले में पीछे छूट गया है।

उन्होंने कहा कि सिलचर फ्लाईओवर का निर्माण कार्य अब तक अधूरा पड़ा है, वहीं तारापुर एलिवेटेड कॉरिडोर का काम भी ठप हो गया है। इन परियोजनाओं के अधूरे रहने से छात्रों, कर्मचारियों और मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। खड़गे ने आसपास के क्षेत्रों में हर वर्ष आने वाली बाढ़ का मुद्दा भी उठाया।

उन्होंने कहा कि बाढ़ के कारण लोगों के घर बह जाते हैं और फसलें नष्ट हो जाती हैं, लेकिन इसके स्थायी समाधान के लिए सरकार कोई ठोस कदम नहीं उठा पाई है। अपने संबोधन के अंत में मल्लिकार्जुन खड़गे ने मतदाताओं से सिलचर में कांग्रेस प्रत्याशी अभिजीत पाल को विजयी बनाने की अपील की और क्षेत्र में बदलाव की आवश्यकता पर जोर दिया।

तमिल अभिनेत्री सुभाषिनी का निधन, इंडस्ट्री में शोक की लहर

चेन्नई। तमिल टीवी जगत की लोकप्रिय अभिनेत्री सुभाषिनी का निधन हो गया है। 36 वर्षीय श्रीलंकाई मूल की अभिनेत्री ने चेन्नई के अय्यप्पनथंगल स्थित एक निजी अपार्टमेंट में कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। इस घटना के सामने आते ही टीवी इंडस्ट्री में शोक की लहर दौड़ गई है। सुभाषिनी को टीवी शो कयाल में उनके अहम किरदार के लिए खास पहचान मिली थी। पुलिस सूत्रों के अनुसार, 5 अप्रैल की रात अभिनेत्री की अपने पति से वीडियो कॉल पर बहस हुई थी। बताया जा रहा है कि इस विवाद के बाद उन्होंने मानसिक तनाव में यह कदम उठाया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और उनकी शरीर की जांच की तो पता चला कि उनकी मौत हो चुकी है। इसके बाद पुलिस ने उनके शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मामले की जांच जारी है और पुलिस सभी पहलुओं की पड़ताल कर रही है। गौरतलब है कि सुभाषिनी ने अपने करियर की शुरुआत साल 2012 में फिल्म 'इनी अवन' से की थी, लेकिन उन्हें असली पहचान टीवी से मिली। उन्होंने 2023 में एल्लम मेला इरुक्किरवन पाथुप्पन में भी अहम भूमिका निभाई थी। इसके अलावा, वह कई शॉर्ट फिल्म्स और सामाजिक जागरूकता अभियानों से भी जुड़ी रही थीं। उनका जन्मदिन 12 अप्रैल को आने वाला था, जबकि 21 अप्रैल को उनकी शादी की दूसरी सालगिरह थी।

चाय जनजातियों को केवल वोट बैंक की तरह इस्तेमाल करती रही कांग्रेस : जेपी नड्डा

तिनसुकिया (असम)। विधानसभा चुनाव के मद्देनजर केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा सोमवार को असम पहुंचे। उन्होंने कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि पार्टी ने असम की चाय जनजातियों को केवल वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया, लेकिन उनके वास्तविक विकास की अनदेखी की।

दुमदुमा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उम्मीदवार रुपेश गोवाला के समर्थन में आयोजित चुनावी सभा को संबोधित करते हुए जेपी नड्डा ने कहा कि वर्षों तक समर्थन मिलने के बावजूद चाय जनजातियों के सामाजिक-आर्थिक उत्थान के लिए ठोस कदम नहीं उठाए गए। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने हर चुनाव में इन समुदायों से वोट तो लिए, लेकिन उनके भविष्य को नजरअंदाज किया। जेपी नड्डा ने चाय जनजातियों के इतिहास का उल्लेख करते हुए कहा कि ये समुदाय औपनिवेशिक काल में झारखंड, उड़ीसा और बिहार से लाए गए श्रमिकों के वंशज हैं और आज असम के कई विधानसभा क्षेत्रों में निर्णायक भूमिका निभाते हैं।

केंद्रीय मंत्री ने कांग्रेस पर अवैध घुसपैठ को बढ़ावा देने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासन के दौरान बाहरी लोगों को असम में आने दिया गया और उन्हें पहचान पत्र व सरकारी लाभ भी दिए गए, जिससे स्थानीय लोगों, विशेषकर आदिवासियों और गरीब वर्गों की जमीन पर अतिक्रमण बढ़ा। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार अवैध घुसपैठियों की पहचान कर उनके नाम मतदाता सूची से हटाने और अतिक्रमित जमीन को वापस दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है।

साथ ही, उन्होंने चाय जनजाति के लोगों की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने घुसपैठ का विरोध कर क्षेत्र के भविष्य की रक्षा की है। कांग्रेस शासनकाल पर निशाना साधते हुए नड्डा ने कहा कि पहले असम में हिंसा, अशांति, हड़ताल और कर्फ्यू का माहौल रहता था, जबकि पिछले एक दशक में भाजपा के नेतृत्व में राज्य में स्थिरता आई है। उन्होंने राज्य में चल रही जनकल्याण योजनाओं का उल्लेख करते हुए भरोसा दिलाया कि एनडीए की सरकार बनने पर इन्हें और विस्तारित किया जाएगा। नड्डा ने आगामी 9 अप्रैल के चुनाव में भाजपा-नीत गठबंधन के पक्ष में मतदान करने की अपील भी की।

रांची सिविल कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

रांची। रांची सिविल कोर्ट को एक बार फिर सोमवार को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। धमकी के मिलने के बाद न्यायाधीशों, अधिवक्ताओं और अदालत के कर्मियों में हड़कंप मच गया। सिविल कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद पुलिस-प्रशासन अलर्ट रहा। पुलिस की टीम अदालत पहुंची है और पूरे परिसर की सघन तलाशी ली। सुरक्षा के मद्देनजर पूरे अदालत परिसर को खाली कराया गया।

राजनीति हमारे लिए सत्ता का माध्यम नहीं राष्ट्र नीति का मार्ग है : नितिन नबीन

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने पार्टी के 47वें स्थापना दिवस के अवसर पर पार्टी मुख्यालय में ध्वजारोहण किया। उन्होंने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय को नमन किया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राजनीति हमारे लिए सत्ता का माध्यम नहीं राष्ट्र नीति का मार्ग है। हमारा सफर आसान नहीं रहा है। इस दौरान पार्टी के कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। ध्वजारोहण के साथ कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय सहित कई पूर्व अध्यक्षों एवं नेताओं की उपलब्धियों को याद किया। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने संगठन को और मजबूत बनाने तथा आगामी चुनावों के लिए तैयार रहने का आह्वान किया। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन ने राष्ट्र प्रथम की विचारधारा को आत्मसात करते हुए पार्टी और संगठन को सशक्त बनाने वाले करोड़ों समर्पित कार्यकर्ताओं को प्रेरित किया।

उन्होंने कहा कि राजनीति हमारे लिए सत्ता का माध्यम नहीं राष्ट्र नीति का मार्ग है। हमारा सफर आसान नहीं रहा है। हजारों कार्यकर्तों ने यातनाएं ओर बलिदान दे कर हमें इस मुकाम तक पहुंचाया है। बंगाल, केरलम, जम्मू कश्मीर सहित कई प्रांतों में कई कार्यकर्ताओं ने बलिदान दिया है। आज के दिन में उन्हें नमन करता हूं। उन्होंने कहा कि राष्ट्र प्रथम की विचारधारा को लेकर हम निरंतर आगे बढ़े हैं। आज भाजपा 14 करोड़ सदस्यों के साथ विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है। ये केवल संख्या नहीं बल्कि 140 करोड़ देशवासियों के अटूट विश्वास का प्रतीक है। हमें पथप्रदर्शकों को याद करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में राष्ट्र को विकसित राष्ट्र बनाने के सपने को साकार करने के लिए स्वयं को समर्पित करना है।

पार्टी को नई ऊंचाइयों पर ले जाना है। उन्होंने कहा कि आज के दिन सभी को संकल्प लेना है कि तमाम हारे हुए सीटों को जीत में बदलना है। इसी संकल्प से हम पार्टी को नई ऊंचाइयों पर ले जायेंगे।

नई शिक्षा नीति से विज्ञान और अनुसंधान में देश होगा उन्नत : उपराष्ट्रपति

सोनीपत। सोनीपत के मुरथल स्थित दीनबंधु छोटूराम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में आठवां दीक्षांत समारोह सोमवार को आयोजित हुआ। समारोह के दौरान कुल 750 छात्र-छात्राओं को डिग्री प्रदान की गई।

देश के उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने समारोह की अध्यक्षता करते हुए कहा कि नई शिक्षा नीति के साथ युवाओं को विज्ञान और अनुसंधान के क्षेत्र में आगे बढ़कर देश की प्रगति में योगदान देना चाहिए। समारोह में हरियाणा के राज्यपाल असीम कुमार घोष, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा और भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बडौली मुख्य रूप से उपस्थित रहे। उपराष्ट्रपति ने मंच से विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस समारोह में शामिल होना उनके लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि हरियाणा धर्मयुद्ध की धरती रही है और दीनबंधु छोटूराम के आदर्श आज भी समाज को प्रेरित कर रहे हैं। छोटूराम ने किसानों और ग्रामीण समाज को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और देश के विकास में बड़ा योगदान दिया। उपराष्ट्रपति ने डिग्री प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि छात्राओं को स्वर्ण पदक मिलना देश के लिए गर्व की बात है। उन्होंने हरियाणा में पिछले वर्षों में लिंगानुपात में सुधार को सराहनीय बताया और कहा कि यह समाज की सकारात्मक दिशा को दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि यहां से डिग्री लेकर निकलने वाले विद्यार्थियों का लक्ष्य देश को आगे बढ़ाना होना चाहिए और विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि युवाओं के बिना किसी भी विकसित राष्ट्र की कल्पना संभव नहीं है। नशे के विषय पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि नशा केवल व्यक्ति नहीं, बल्कि परिवार और राष्ट्र को भी नुकसान पहुंचाता है। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने और समाज के लिए प्रेरणा बनने का आह्वान किया।

रक्षा संबंध मजबूत करने अमेरिका दौरे पर गए वायु सेना प्रमुख

सैन्य सहयोग, इंटरऑपरेबिलिटी और संयुक्त ऑपरेशनल क्षमताओं को बढ़ाने पर भी होगी बातचीत

नई दिल्ली। वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह भारत-यूएस के बीच रक्षा साझेदारी मजबूत करने के उद्देश्य से अमेरिका की यात्रा पर पहुंचे हैं। उनका स्वागत अमेरिका में भारतीय राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने किया। उनका यह दौरा यूएस-इंडो पैसिफिक कमांड के कमांडर एडमिरल सैमुअल जे पापारो के 14-19 फरवरी तक भारत दौरे के बाद हो रहा है, ताकि देशों के करीबी सैन्य संबंधों को मजबूत किया जा सके।

भारतीय राजदूत ने एक्स पोस्ट पर लिखा कि वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह भारत-अमेरिकी रक्षा साझेदारी को और मजबूत करने और दोनों वायु सेनाओं के बीच मजबूत और बढ़ते संबंधों को बनाए रखने के लिए अमेरिका का अपना दौरा शुरू कर रहे हैं। वायु सेना प्रमुख का यह दौरा यूएस-इंडो पैसिफिक कमांड के कमांडर एडमिरल सैमुअल जे पापारो के 14-19 फरवरी तक भारत दौरे के बाद हो रहा है, ताकि भारत-अमेरिकी साझा सुरक्षा हितों पर सहयोग करने के साथ ही देशों के करीबी सैन्य संबंधों को मजबूत किया जा सके। एडमिरल पापारो के भारतीय दौरे का मकसद भी भारत-अमेरिका के साझा सुरक्षा हितों पर सहयोग करना और देशों के करीबी सैन्य रिश्तों को मजबूत करना था। वह भारत दौरे के समय अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर के साथ 16 फरवरी को भारतीय सेना के वेस्टर्न कमांड चंडीमंदिर पहुंचे और सेना के इंटिग्रेटेड डिफेंस स्टाफ (आईडीएस) हेडक्वार्टर भी गए। उन्होंने चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान से मुलाकात में भारत-अमेरिका की मजबूत और बढ़ती रक्षा साझेदारी को फिर से पक्का किया, जो साझा सामरिक हितों और क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता के लिए प्रतिबद्धता पर आधारित है।

दोनों नेताओं ने आपसी सैन्य सहयोग, इंटरऑपरेबिलिटी और संयुक्त ऑपरेशनल क्षमताओं को बढ़ाने पर बातचीत की। इसी तरह बेंगलुरु के दौरे पर उन्होंने क्षेत्रीय सुरक्षा को आगे बढ़ाने और जमीन, समुद्र, हवा, अंतरिक्ष और साइबर स्पेस डोमेन में सैन्य अंतरसंचालनीयता को मजबूत करने में भारत की अहम भूमिका पर जोर दिया। इस दौरे के समय हुईं चर्चाएं आपसी हितों के क्षेत्रों पर केंद्रित थीं, जिसमें एक आजाद और खुले इंडो-पैसिफिक क्षेत्र की सुरक्षा में भारत का योगदान भी शामिल था।

एडमिरल पापारो ने भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर के साथ भारत के वेस्टर्न कमांड के दौरे पर भारत के पश्चिमी और उत्तरी फ्रंट पर ऑपरेशनल सुरक्षा गतिशीलता पर चर्चा की। वायु सेना प्रमुख का यह अमेरिकी दौरा यूएस-इंडो पैसिफिक कमांड के कमांडर सैमुअल जे पापारो के भारत दौरे के समय हुई चर्चाओं को आगे बढ़ाने के मकसद से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

वह इस दौरान अमेरिका के वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों के साथ मुलाकात में साझा सामरिक हितों, क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता के लिए प्रतिबद्धता पर आधारित वार्ता करेंगे। साथ ही आपसी सैन्य सहयोग, इंटरऑपरेबिलिटी और संयुक्त ऑपरेशनल क्षमताओं को बढ़ाने पर भी बातचीत होगी। तेजस मार्क-1ए के लिए एफ-404 इंजन में देरी के मुद्दे पर भी अमेरिकी कंपनी जीई एयरोस्पेस से बात हो सकती है, क्योंकि वे इंजन की देरी से विमानों की आपूर्ति न होने के मुद्दे पर काफी मुखर रहे हैं।

इस्टीमेट मंगाइए, इलाज खर्च में सरकार करेगी भरपूर मदद : मुख्यमंत्री योगी

अधिकारियों को दिए त्वरित व संतुष्टिपरक निस्तारण के दिए निर्देश

गोरखपु। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनता दर्शन में गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक सहायता की मांग करने पहुंचे लोगों को आश्वस्त किया कि वे उच्चीकृत अस्पताल से इस्टीमेट मंगवा लें, इलाज खर्च में सरकार भरपूर आर्थिक मदद करेगी।

सीएम योगी ने इसे लेकर अफसरों को निर्देशित भी किया कि जिन लोगों को उपचार में आर्थिक सहायता की आवश्यकता है, उनके इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से पूरा कराकर शासन को उपलब्ध कराया जाए। हर जरूरतमंद को मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से पर्याप्त सहायता राशि उपलब्ध कराई जाएगी। सोमवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 200 लोगों से मुलाकात की। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सभागार में कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों से एक-एक करके समस्याएं सुनीं और निस्तारण के लिए आश्वस्त करते हुए उनके प्रार्थना पत्र संबंधित अधिकारियों को हस्तगत किए। उन्होंने सभी लोगों को आश्वस्त किया कि किसी को भी परेशान होने या घबराने होने की आवश्यकता नहीं है। हर समस्या का प्रभावी समाधान कराया जाएगा। मुख्यमंत्री ने जनता दर्शन में अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर पीड़ित के साथ संवेदनशील रवैया अपनाया जाए और उसकी समस्या का समाधान कर उसे संतुष्ट किया जाए। इसमें किसी भी तरह की कोताही नहीं होनी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को यह निर्देश भी दिए यदि कोई पात्र व्यक्ति शासन की कल्याणकारी योजनाओं के लाभ से वंचित है तो उसे तत्काल योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया जाए। कैंसर से पीड़ित अपने परिजन के इलाज में आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंची एक महिला से मुख्यमंत्री ने कहा कि उच्चीकृत सरकारी अस्पताल में मरीज को दिखाकर इस्टीमेट मंगवा लीजिए। इलाज में पूरी मदद की जाएगी। जनता दर्शन में एक बिटिया ने कमजोर पारिवारिक आर्थिक स्थिति का जिक्र कर पढ़ाई के लिए फीस जमा करने में आ रही बाधा की बात मुख्यमंत्री को बताई। इस पर त्वरित संवेदनशीलता दिखाते हुए सीएम योगी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बिटिया की स्कूली फीस की व्यवस्था की जाए। इसी क्रम में मुख्यमंत्री ने सिद्धार्थनगर से आई एक जरूरतमंद महिला को पेंशन और अन्य योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए भी अधिकारियों को निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री योगी ने गोरखनाथ मंदिर के हिंदू सेवाश्रम भवन पर फहराया पार्टी का झंडा

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस पर गोरखनाथ मंदिर परिसर स्थित हिंदू सेवाश्रम भवन की छत पर पार्टी का झंडा फहराया। इस अवसर पर उन्होंने झंडे के सम्मुख पार्टी पदाधिकारियों के साथ सेल्फी ली और सभी को स्थापना दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया संदेश में कहा कि भाजपा की विकास यात्रा सत्ता की नहीं, संस्कार की है। विस्तार की नहीं, विचार की है। 'अंत्योदय से राष्ट्रोदय' के संकल्प की सिद्धि की है। भाजपा के स्थापना दिवस पर सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिये सीएम योगी ने कहा, विश्व के सबसे विशाल राजनीतिक दल भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस की सभी समर्पित कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई। भाजपा मात्र एक राजनीतिक संरचना नहीं, बल्कि श्रद्धेय पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी और भारत रत्न श्रद्धेय अटल जी के उदात्त लोकतांत्रिक आदर्शों एवं सात्विक सनातनी जीवन मूल्यों से अभिसिंचित एक जीवंत विचार परंपरा है। राष्ट्र प्रथम की भावना से ओतप्रोत यह राष्ट्रवादी परिवार आज एक विशाल वटवृक्ष बन चुका है, जो सेवा, संस्कार और समर्पण के संकल्प के साथ 145 करोड़ देशवासियों की आशाओं व आकांक्षाओं को निरंतर शक्ति दे रहा है। गोरखनाथ मंदिर परिसर में पार्टी का झंडा फहराने के अवसर पर सांसद रविकिशन शुक्ल, महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं एमएलसी डॉ. धर्मेंद्र सिंह, विधायक विपिन सिंह, प्रदीप शुक्ल, नगर निगम के उप सभापति पवन त्रिपाठी, महानगर संयोजक राजेश गुप्ता, पार्षद दुर्गेश बजाज, जंगल कौड़िया के ब्लॉक प्रमुख बृजेश यादव, भरोहिया के ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि संजय सिंह समेत कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पंकज चौधरी ने भाजपा कार्यालय पर किया ध्वजारोहण

लखनऊ। केन्द्रीय वित्त राज्यमंत्री व भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी और प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस के अवसर पर सोमवार 06 अप्रैल को प्रदेश मुख्यालय पर ध्वजारोहण किया। इसके बाद लखनऊ स्थित प्रदेश कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में भारतमाता , डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया।भाजपा के 47वें स्थापना दिवस के अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने विश्व के सबसे बड़े सेवा संगठन का हिस्सा होने की सभी को बधाई दी तथा सेवा, समर्पण और 'राष्ट्र प्रथम' के संकल्प को और अधिक सशक्त करने के लिए कार्यकर्ताओं से निरंतर अग्रसर रहने का आह्वान किया।

कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए पंकज चौधरी ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं के बल, त्याग और तपस्या से पूर्ण बहुमत की भाजपा सरकार बनी है। आगामी होने वाले उत्तर प्रदेश के 2027 के विधानसभा चुनाव में भी हैट्रिक लगायेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता पदाधिकारी 365 दिन जनता की सेवा करते हैं। हमारी डबल इंजन की सरकारें आम जन की सेवा करती हैं।

सपा अध्यक्ष पर निशाना साधते हुए प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि अखिलेश यादव की पुरानी आदत है हार जाओ तो ईवीएम पर आरोप लगाओ और अगरो जीत जाओ तो सब अच्छा है। उन्होंने कहा कि 2017 के पहले का उत्तर प्रदेश जनता भूली नहीं है। सपा सरकार में कोई सुरक्षित नहीं था जनता यह भूली नहीं है। जनता गुंडाराज को पुनः उत्तर प्रदेश में नहीं लाना चाहेगी। पंचायत चुनाव के बारे में कहा कि पंचायत चुनाव कराना आयोग का काम है। प्रदेश सरकार पंचायत चुनाव के लिए तैयार है। पंकज चौधरी ने कहा कि कांग्रेस जाति धर्म और क्षेत्र के नाम पर लोगों को बांटने का काम करती है। खड़गे जैसे वरिष्ठ नेता भी राहुल गांधी के इशारे पर ऐसी भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं।

भाजपा के प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि एक सशक्त विचारधारा है, जो 'राष्ट्र प्रथम' के सिद्धांत के साथ समाज, देश और विश्व के कल्याण हेतु निरंतर कार्य कर रही है। आज हम सभी मिलकर इस विचार को जन-जन तक पहुँचाने और राष्ट्र निर्माण के इस अभियान को और गति देने का संकल्प लें। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक,प्रदेश महामंत्री संजय राय व पूर्व मंत्री डा. महेन्द्र सिंह सहित पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बरेली नगर निगम में नामित दस पार्षदों ने ली शपथ, भाजपा का दबदबा बढ़ा

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली नगर निगम में भाजपा का दबदबा और मजबूत हो गया है। सोमवार को जीआईसी सभागार में आयोजित कार्यक्रम में 10 नामित पार्षदों ने पद और गोपनीयता की शपथ ली। महापौर डॉ. उमेश गौतम ने सभी को शपथ दिलाई। इसके साथ ही नगर निगम बोर्ड में भाजपा समर्थित सदस्यों की संख्या 52 से बढ़कर 62 पहुंच गई है।

सोमवार सुबह 11 बजे जीआईसी ऑडिटोरियम में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में इन सभी को औपचारिक रूप से जिम्मेदारी सौंपी गई। कार्यक्रम में वन मंत्री डॉ. अरुण कुमार, सांसद छत्रपाल गंगवार, एमएलसी बहोरन लाल मौर्य, भाजपा महानगर अध्यक्ष अधीर सक्सेना, एडवोकेट अनिल सक्सेना और नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य समेत कई लोग मौजूद रहे। नगर निगम बोर्ड में कुल 80 पार्षदों का प्रावधान है, लेकिन फिलहाल तीन सीटें रिक्त हैं। अरेंद्र अरोरा कुक्की, संजू देवी और संजय राय के निधन के बाद सदस्यों की संख्या 77 रह गई है। ऐसे में 10 नामित पार्षदों के जुड़ने से भाजपा का बहुमत और मजबूत हो गया है।

महापौर डॉ. उमेश गौतम ने कहा कि नामित पार्षद भी आम पार्षदों की तरह शहर के अलग-अलग वार्डों में जनता की समस्याओं को सुनेंगे और विकास कार्यों की निगरानी करेंगे। उन्होंने कहा कि शहर के विकास में सभी पार्षदों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

शपथ लेने वाले नामित पार्षदों में ज्ञान प्रकाश लोधी, गौरव सक्सेना, रामबहादुर मौर्य, सुमित सैनी, हरीश बाबू वाल्मीकि, कमला देवी कश्यप, वीरेंद्र, हरिओम गौतम, अशोक चौहान और राजीव कुमार गुप्ता शामिल हैं। इनमें कमला देवी कश्यप एकमात्र महिला नामित पार्षद हैं। कार्यक्रम में भाजपा नेताओं, जनप्रतिनिधियों और नगर निगम अधिकारियों की मौजूदगी रही।

भारतीय किसान संघ ने की किसानों को मुआवजा देने की मांग, बैठक कर सौंपा ज्ञापन

उरई। असमय ओलावृष्टि और बारिश से किसानों की फसल बर्बाद होने को लेकर भारतीय किसान संघ की जालौन की जिला कार्यकारिणी की एक आवश्यक बैठक आयोजित की गई। यह बैठक जिलाध्यक्ष अरुण कुमार सक्सेना की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई, जबकि प्रान्त अध्यक्ष साहब सिंह चौहान के मार्गदर्शन एवं प्रान्त मंत्री शिवराज सिंह पटेल की उपस्थिति रही।

बैठक में जिले भर से आए पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने प्राकृतिक आपदा से प्रभावित किसानों की समस्याओं पर विस्तृतरूप से चर्चा की। इसके बाद सर्वसम्मति से कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किए गए। किसानों ने समस्याओं को लेकर जिलाधिकारी जालौन के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा है। सोमवार को जिलाधिकारी राजेश कुमार पांडे को सौंपे गए ज्ञापन में बताया गया कि ओलावृष्टि, अतिवृष्टि और तेज आंधी-तूफान के कारण गेहूं, मूंग सहित अन्य फसलों को व्यापक नुकसान हुआ है। भारतीय किसान संघ ने मांग की कि प्रशासन द्वारा पारदर्शी तरीके से सर्वे कराया जाए और प्रभावित किसानों को 30,000 रुपये प्रति एकड़ की दर से मुआवजा दिया जाए। किसान नेताओं ने कहा कि बीमा कंपनियों द्वारा फसल बीमा की राशि समय पर नहीं दी जाती, जिससे किसानों को आर्थिक संकट का सामना करना पड़ता है।

संघ ने मांग की कि बीमा कंपनियां 72 घंटे के भीतर प्रारंभिक सहायता जारी करें और शेष भुगतान 30 दिनों के भीतर किया जाए। ज्ञापन के माध्यम से यह भी कहा गया कि जिन किसानों की फसल पूरी तरह नष्ट हो गई है, वे बैंक ऋण चुकाने में असमर्थ हैं। ऐसे में किसान क्रेडिट कार्ड (KCC) के तहत लिए गए ऋण को समाप्त किया जाए, ताकि किसानों को राहत मिल सके। आंधी-तूफान के कारण कई स्थानों पर बिजली लाइनें क्षतिग्रस्त हो गई हैं। किसान संघ ने मांग की कि बिजली आपूर्ति जल्द बहाल की जाए। साथ ही, गेहूं और मूंग की फसलों की सिंचाई के लिए 24 घंटे बिजली उपलब्ध कराने की मांग की गई। वर्तमान में केवल 7-8 घंटे बिजली मिलने से किसानों को कठिनाई हो रही है। प्रान्त अध्यक्ष भारतीय किसान संघ साहब सिंह चौहान ने बताया कि बारिश और ओलावृष्टि के कारण गेहूं भीग गया है और दागी हो गया है। किसान संघ ने मांग की कि खरीद केंद्रों पर ऐसे गेहूं की भी न्यूनतम समर्थन मूल्य पर बिना किसी कटौती के खरीद की जाए।

भारतीय किसान संघ ने मुख्यमंत्री से मांग की कि प्राकृतिक आपदा से प्रभावित किसानों की समस्याओं का सहानुभूतिपूर्वक समाधान किया जाए और तत्काल राहत प्रदान की जाए। समाजवादी पार्टी ने किया प्रदर्शन जालौन में असमय ओलावृष्टि और बारिश से किसानों की फसल बर्बाद होने को लेकर समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष दीपराज गुर्जर के नेतृत्व में सोमवार को विरोध प्रदर्शन किया गया। पार्टी नेताओं ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर किसानों को तत्काल राहत और 100 प्रतिशत मुआवजा देने की मांग की। इस दौरान सपा कार्यकर्ताओं के साथ सपा सांसद नारायणदास अहिरवार के अलावा तमाम लोग मौजूद रहे। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने बताया कि 5 अप्रैल 2026 को जिले के कई गांवों का दौरा किया।

निरीक्षण के दौरान पाया गया कि गेहूं, सरसों, चना सहित अन्य फसलें बड़े पैमाने पर बर्बाद हो गई हैं। कई गांवों में किसानों की स्थिति बेहद चिंताजनक बताई जा रही है। नेताओं ने कहा कि कई परिवारों के सामने खाने तक की समस्या खड़ी हो गई है। इस गंभीर स्थिति को लेकर समाजवादी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उरई स्थित कलेक्ट्रेट परिसर में जोरदार प्रदर्शन किया। वही सांसद नारायण दास अहिरवार ने कहा कि किसानों की हालत बेहद गंभीर है। बारिश ने किसानों की कमर तोड़ दी है। फसल बर्बाद होने से किसानों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। पार्टी ने प्रशासन से तत्काल सर्वे कराकर राहत पैकेज जारी करने की मांग की है।

श्री संकटमोचन मंदिर के वार्षिक संगीत समारोह में पहली प्रस्तुति 'रूपवाणी' संस्था की नृत्य नाटिका

वाराणसी। उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी वाराणसी में स्थित श्री संकट मोचन मंदिर के छह दिवसीय वार्षिक संगीत समारोह की शुरूआत हनुमत दरबार में सोमवार शाम 7:30 बजे होगी। इसकी पूरी तैयारी हो चुकी है। संगीत रसिक भी मंदिर में जाने माने कलाकारों की प्रस्तुति सुनने और देखने के लिए उत्साहित है। पहले दिन दरबार में रूपवाणी संस्था की प्रस्तुति (नृत्य नाटिका), पं. राहुल शर्मा (संतूर), विधालाल (कथक), एस. आकाश- यद्नेश रायकर (बांसुरी-वायलिन), पद्मश्री मालिनी अवस्थी (गायन), राहुल मिश्रा (तबला सोलो), पं. हरविंदर शर्मा (सितार) सुश्री शिखा भट्टाचार्या (कथक) की प्रस्तुति होगी।

मंदिर के महंत प्रो. विश्वम्भर नाथ मिश्र के अनुसार 103वें संगीत समारोह में छह दिनों तक 135 से अधिक कलाकार लगभग 45 प्रस्तुतियां देंगे। इसमें 11पद्म कलाकार हैं। खास बात यह है कि इस बार 21 नए कलाकारों को भी मंच पर प्रस्तुति का अवसर मिलेगा। 06 दिनों में हनुमत दरबार में पहली बार 14 मुस्लिम कलाकार भी अपने संगीत साधना का प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने बताया कि वर्ष 1923 से प्रतिवर्ष हनुमान जयंती के उपलक्ष्य में संगीत समारोह आयोजित किया जा रहा है।

प्रत्येक दिन सांगीत कार्यक्रम सायंकालीन आरती के बाद 7:30 बजे से आरंभ होगा। प्रातः कालीन आरती तक या उसके बाद तक चलता है। मंदिर में दूसरे दिन मंगलवार को ग्रैमी पुरस्कार विजेता पद्मश्री पंडित विश्वमोहन भट्ट की मोहनवीणा, पं. सुनील भट्ट की सात्विक वीणा का वादन होगा।

दूसरे दिन ही पं. रामकुमार मिश्र का तबला वादन, उस्ताद गुलाम अब्बास खान का गायन, उस्ताद अकरम खान का तबला वादन होगा। समारोह में तीसरे दिन पंडित उल्हास कसालकर का गायन, विवेक सुनार का बांसुरी वादन, पद्मश्री जसपिंदर नरूला का गायन, पं. देवाशीष भट्टाचार्य का गिटार वादन, पं. आलोक लाहिड़ी का सरोद वादन का लोग आनंद ले सकेंगे। दरबार में चौथे दिन पं. यू राजेश का मैंडोलिन वादन और पद्मश्री अनूप जलोटा का गायन होगा। पांचवें दिन पद्मश्री पं. शंभू महाराज के पुत्र व शिष्य पं. राम मोहन महाराज का कथक, पद्मश्री देवेंद्र नारायण मजूमदार का सरोद वादन, पद्मश्री रोनू मजूमदार का बांसुरी वादन और पद्मश्री कंकणा बनर्जी का तथा उस्ताद मसकुर अली खान का गायन व बिलाल खान का तबला वादन होगा। दरबार में छठवें व अन्तिम दिन 11 अप्रैल को पं. रतिकांत महापात्रा और उनकी धर्मपत्नी सुजाता महापात्र ओडिसी नृत्य प्रस्तुत करेंगे।

इसके बाद महताब अली नियाजी का सितार वादन, कलापिनी कोमकली का गायन, सिराज अली खान का सरोद वादन, पंडित अभय रुस्तम सपोरी का शततंत्री वीणा वादन, पंडित अंजू सहाय का तबला वादन की प्रस्तुति देंगे। इसके बाद उस्ताद शाकिर खां (सितार), पं. साजन मिश्र-श्री स्वरांश मिश्र (गायन) की अन्तिम प्रस्तुति होगी।

सेवानिवृत्त शिक्षकों का हुआ सम्मान स्कूल चलो रैली भी निकाली गई

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जनपद के रामनगर क्षेत्र के कंपोजिट विद्यालय अशोकपुर में सेवानिवृत्त शिक्षक कृष्ण मुरारी मिश्र व दुर्गेश त्रिपाठी के सम्मान में अलंकरण समारोह का आयोजन अध्यापक पवन मिश्रा द्वारा किया गया।

मुख्य अतिथि ज्वाइंट मजिस्ट्रेट गुंजिता अग्रवाल ने दोनों शिक्षकों को अंगवस्त्र व स्मृति चिन्ह के रूप में राम चरित मानस पुस्तक देकर सम्मानित किया और उनके लंबे समय तक शिक्षा क्षेत्र में दिए गए योगदान की सराहना की।

कार्यक्रम में पूर्व विधायक शरद अवस्थी बी ई ओ रमेश चंद्रा, बीडीओ जितेंद्र कुमार, एडीओ कृषि डा दलवीर सिंह व प्रा शि सं के जिला मंत्री उमानाथ मिश्रा सहित कई शिक्षकों ने माल्यार्पण से सम्मान कर सेवानिवृत्त शिक्षकों की कार्यशैली और शिक्षा के प्रति समर्पण की प्रशंसा की। समारोह के अंत में विद्यालय द्वारा स्कूल चलो रैली निकाली गई। रैली के माध्यम से ग्रामीणों को अपने बच्चों का अधिक से अधिक नामांकन विद्यालय में कराने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर संध्या त्रिपाठी, अंजली द्विवेदी, अयोध्या प्रसाद, विवेक शुक्ला, देश दीपक शुक्ला, चंद्र प्रकाश श्रीवास्तव, अशेष सिंह, रवि पांडेय आदि तमाम शिक्षक मौजूद रहे।

संचालन रोहित त्रिपाठी ने किया। आयोजक पवन मिश्रा ने सभी अतिथियों को प्रतीक चिन्ह व अंगवस्त्रम भेंट कर स्वागत सम्मान किया।

राजस्थान के आक्रामक खेल से सतर्क रहना होगा मुंबई को

हार्दिक की फिटनेस पर होगी निगाह

गुवाहाटी। पिछले मैच में हार के बाद वापसी के लिए प्रतिबद्ध मुंबई इंडियंस को उम्मीद होगी कि कप्तान हार्दिक पंड्या पूरी तरह से फिट होकर राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मंगलवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में खेलेंगे। हार्दिक अस्वस्थ होने के कारण दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ पिछले मैच में नहीं खेल पाए थे जिसमें उनकी टीम को छह विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। हार्दिक की अनुपस्थिति में भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने अगुवाई की थी लेकिन टीम को हार्दिक के ऑलराउंड खेल की कमी महसूस हुई। हार्दिक की अनुपस्थिति के कारण टीम संयोजन में भी फेरबदल करना पड़ा। उनकी जगह टीम में शामिल किए गए दीपक चाहर ने सधी हुई गेंदबाजी की, लेकिन अनुभवी तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट की जगह कॉर्बिन बॉश को लाने का फैसला उल्टा पड़ गया, क्योंकि दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाज ने जमकर रन लुटाए। इसके बाद हार्दिक ने अभ्यास शुरू कर दिया है जिससे कि उनकी वापसी की संभावना मजबूत बन गई है। पहले मैच में गेंदबाजी में शानदार प्रदर्शन करने वाले शार्दुल ठाकुर पिछले मैच में महंगे साबित हुए, वहीं हमेशा भरोसेमंद रहने वाले जसप्रीत बुमराह किफायती तो रहे हैं लेकिन इस सत्र में अभी तक विकेट नहीं ले पाए हैं। स्पिन विभाग में मिचेल सैंटनर ने अफगानिस्तान के मिस्ट्री स्पिनर अल्लाह ग़जनफ़र की जगह टीम में अपने चयन को सही साबित किया और संभावना है कि वह अपना स्थान बरकरार रखेंगे। मुंबई इंडियंस के गेंदबाजों को हालांकि राजस्थान के शीर्ष क्रम के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। राजस्थान के शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों ने अभी तक अच्छा प्रदर्शन किया है। राजस्थान की टीम ने अभी तक आक्रामक रवैया अपनाया है और मुंबई को उस सतर्क रहने की जरूरत होगी। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी ने टीम को विस्फोटक शुरुआत दी है, जिसके बाद ध्रुव जुरेल ने लय कायम रखी है। कप्तान रियान पराग ने अभी तक बल्ले से कोई खास योगदान नहीं दिया है, लेकिन उन्हें अपने नेतृत्वकौशल से आत्मविश्वास मिलेगा। उन्होंने अब तक अपनी कप्तानी से प्रभावित किया है, विशेषपर डेथ ओवरों में लिए गए उनके रणनीतिक फैसलों से जिसके कारण रॉयल्स ने गुजरात टाइटन्स पर रोमांचक जीत दर्ज की थी। गेंदबाजों में तुषार देशपांडे और रवि बिश्नोई का प्रदर्शन प्रभावशाली रहा है। बिश्नोई दो मैचों में पांच विकेट लिए हैं। वहीं देशपांडे ने टाइटन्स के खिलाफ आखिरी ओवर में 10 रन का सफलतापूर्वक बचाव करते हुए डेथ ओवरों के अपने कौशल का अच्छा नमूना पेश किया था। मुंबई की टीम अंक तालिका में अभी छठे स्थान पर है जबकि राजस्थान दूसरे स्थान पर है।

टीम इस प्रकार हैं:

राजस्थान रॉयल्स: रियान पराग (कप्तान), ध्रुव जुरेल, डोनोवन फरेरा, लुआन-ड्रे प्रिटोरियस, रवि सिंह, अमन पेराला, शिमरोन हेटमायर, शुभम दुबे, वैभव सूर्यवंशी, यशस्वी जयसवाल, रवींद्र जड़ेजा, एडम मिल्ने, ब्रिजेश शर्मा, जोफ्रा आर्चर, कुलदीप सेन, क्वेना मफाका, नांद्रे बर्गर, रवि बिश्नोई और संदीप शर्मा।

मुंबई इंडियंस: हार्दिक पंड्या (कप्तान), क्विंटन डीकॉक (विकेटकीपर), दानिश मालेवार, रॉबिन मिंज (विकेटकीपर), रयान रिकेल्टन (विकेटकीपर), शेरफेन रदरफोर्ड, रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, अथर्व अंकोलेकर, राज बावा, कॉर्बिन बॉश, विल जैक्स, मयंक रावत, नमन धीर, मिचेल सेंटनर, शार्दुल ठाकुर, तिलक वर्मा, अश्विनी कुमार, ट्रेंट बोल्ट, जसप्रीत बुमराह, दीपक चाहर, एएम गजनफर, मयंक मार्कंडेय, मोहम्मद इज़हार, रघु शर्मा।

मैच शाम 7:30 बजे शुरू होगा।

मेरे लिए बल्लेबाजी में बुनियादी बदलाव करना आसान नहीं था: पडिक्कल

बेंगलुरु। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल ने सफेद गेंद के प्रारूपों में अपने अच्छे प्रदर्शन का श्रेय अपने 'कंफर्ट जोन' (आरामदायक दायरे) से बाहर निकलने और अपनी बल्लेबाजी में बुनियादी बदलाव करने को दिया। देवदत्त ने आईपीएल के पहले मैच में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 61 रन बनाने के बाद रविवार को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ 50 रन बनाए। आरसीबी ने यह मैच 43 रन से जीता। देवदत्त ने मैच के बाद पत्रकारों से कहा, ''कड़ी मेहनत और आत्मविश्वास के दम पर मुझे इस मुकाम तक पहुंचने में मदद मिली। बल्लेबाजी में बदलाव करना आसान नहीं था क्योंकि क्रिकेट के इस प्रारूप के लिए मुझे अपनी बुनियाद को पूरी तरह से बदलना पड़ा।'' उन्होंने कहा, ''यह बदलाव मुझे जानबूझकर करना पड़ा और आरसीबी और सहयोगी स्टाफ ने मेरा मार्गदर्शन करके बहुत मदद की।'' लेकिन क्या टी20 के एक आयामी होने का खतरा है क्योंकि सभी बल्लेबाज अपने पावर हिटिंग कौशल को बेहतर बनाने की कोशिश कर रहे हैं? इस सवाल पर देवदत्त ने कहा, ''मुझे ऐसा नहीं लगता, क्योंकि इस टूर्नामेंट में बल्लेबाजी का स्तर काफी बढ़ गया है। मुझे लगता है कि हर कोई बड़े छक्के और चौके लगाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा है और अब गेंदबाजों की जिम्मेदारी है कि वे भी उसी राह पर चलते हुए अपने खेल का स्तर ऊपर ले जाएं।'' बाएं हाथ के इस बल्लेबाज का मानना है कि गेंदबाज जल्द ही वापसी करेंगे। देवदत्त ने कहा, ''मुझे पूरा भरोसा है कि सभी गेंदबाज अच्छा प्रदर्शन करेंगे और जैसे-जैसे टूर्नामेंट आगे बढ़ेगा, विकेट भी थोड़े धीमे होने लगेंगे और चीजें बदल जाएंगी।'' इसके बावजूद उन्होंने अपने साथी खिलाड़ी टिम डेविड के पावर-हिटिंग कौशल की प्रशंसा की, जिन्होंने 25 गेंदों में 70 रन बनाकर सीएसके के गेंदबाजी आक्रमण को ध्वस्त कर दिया था। देवदत्त ने कहा, ''हम उन्हें अभ्यास के दौरान प्रतिदिन ऐसा करते हुए देखते हैं और वह जिस भी गेंद का सामना करते हैं, उसे छक्का मारने की कोशिश करते हैं। वह खेल के जिस चरण में बल्लेबाजी के लिए आते हैं उस समय उनसे इसी तरह के प्रदर्शन की उम्मीद की जाती है और उन्होंने पिछले कुछ वर्षों में अपनी इस भूमिका को अच्छी तरह से निभाया है।

सात्विक और चिराग हटे, एशिया चैंपियनशिप में लक्ष्य और पीवी सिंधु पर होगा दारोमदार

निंगबो (चीन)। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप से अपना नाम वापस ले लिया है और अब इस प्रतियोगिता में भारत का दारोमदार शानदार फॉर्म में चल रहे लक्ष्य सेन और अनुभवी पीवी सिंधु पर टिका रहेगा। सात्विक अभी कंधे की चोट से उबर रहे हैं जिसके कारण इस स्टार भारतीय जोड़ी को टूर्नामेंट से नाम वापस लेना पड़ा। सात्विक और चिराग ने 2023 में इस प्रतियोगिता का खिताब जीता था। भारतीय कोच टैन किम हेर ने पीटीआई को बताया, ''सात्विक को अभी भी कुछ दर्द है, इसलिए वे इस सप्ताह नहीं खेल पाएंगे।'' सात्विक के दाहिने कंधे में दर्द के कारण यह भारतीय जोड़ी स्विस ओपन में भी क्वार्टर फाइनल के मैच से भी हट गई थी। इस महाद्वीपीय चैंपियनशिप में भारत की निगाहें अब एकल खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर टिकी रहेंगी जिसका नेतृत्व लक्ष्य और सिंधु करेंगे। यह दोनों इस प्रतियोगिता में एकल में देश के खिताब के 61 साल से चले आ रहे इंतजार को खत्म करने की कोशिश करेंगे। पूर्व राष्ट्रीय चैंपियन दिनेश खन्ना एकमात्र भारतीय हैं जिन्होंने 1965 में महाद्वीपीय प्रतियोगिता में पुरुषों के एकल वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था। ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप में उपविजेता रहने के बाद लक्ष्य उनके नक्शेकदम पर चलने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। अल्मोड़ा का यह 24 वर्षीय खिलाड़ी हांगकांग के ली चेउक यिउ के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेगा। महिला एकल में सिंधु यूरोपीय चरण में भाग नहीं ले पाने के बाद वापसी कर रही हैं। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधु पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप के लिए इंग्लैंड जाते समय दुबई में फंस गई थीं, जिसके चलते उन्हें टूर्नामेंट से हटना पड़ा। इसके बाद उन्होंने आराम करने के लिए स्विस ओपन में हिस्सा नहीं लिया और अब उनका पहला मुकाबला मलेशिया की वोंग लिंग चिंग से होगा। पुरुष एकल वर्ग में भी भारत के कुछ अन्य खिलाड़ी भी अपनी चुनौती पेश करेंगे। कंधे की चोट से उबरकर वापसी कर रहे एचएस प्रणय का सामना क्वालीफायर से होगा, वहीं किदांबी श्रीकांत सिंगापुर के आठवें वरीयता प्राप्त लोह कीन यू से भिड़ेंगे। यूएस ओपन चैंपियन आयुष शेट्टी का सामना चीन के पांचवीं वरीयता प्राप्त ली शी फेंग से होगा।

भारत बिली जीन किंग कप के प्लेऑफ में जगह बनाने की दौड़ में, श्रीवल्ली हटी

नई दिल्ली। भारत 2026 के प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने के लक्ष्य के साथ मंगलवार से यहां डीएलटीए कॉम्प्लेक्स में होने वाले बिली जीन किंग कप (बीजेकेसी) टेनिस टूर्नामेंट के एशिया-ओशिनिया ग्रुप एक के मुकाबलों में परिचित परिस्थितियों और घरेलू समर्थन का भरपूर लाभ उठाने की कोशिश करेगा। भारत को हालांकि प्रतिभाशाली श्रीवल्ली भामिदिपति के हटने से झटका लगा है। इंडोनेशिया, कोरिया, मंगोलिया, न्यूजीलैंड और थाईलैंड की मौजूदगी में भारतीय टीम को कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। इस टूर्नामेंट में शीर्ष पर रहने वाली दो टीमें ही आगे बढ़ेंगी, जबकि सबसे नीचे की दो टीमें 2027 के लिए ग्रुप दो में खिसक जाएंगी। भारत का बेंगलुरु में 2025 प्लेऑफ में निराशाजनक प्रदर्शन रहा था। वह तब तीन टीमों के ग्रुप जी में तीसरे स्थान पर रहा था। मेजबान टीम को स्लोवेनिया से 1-2 और नीदरलैंड से 0-3 की हार का सामना करना पड़ा, हालांकि नवोदित खिलाड़ी श्रीवल्ली और सहजा यमलापल्ली ने अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया था। भारत की तरफ से अब एकल में पूरी जिम्मेदारी सहजा और वैष्णवी अडकर पर आ गई है। अनुभवी खिलाड़ी अंकिता रैना से युगल मुकाबलों में अच्छी प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है जहां वह रुतुजा भोसले के साथ मिलकर चुनौती पेश करेगी। अगर कप्तान विशाल उप्पल टूर्नामेंट के दौरान अंकिता को एकल खेलने के लिए भी कहें तो यह कोई आश्चर्य की बात नहीं होगी। भारत की नंबर दो खिलाड़ी सहजा विश्व में 384वें नंबर पर हैं और वह आईटीएफ सर्किट में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं।

टीमें इस प्रकार हैं:

भारत: सहजा यमलापल्ली, वैष्णवी अडकर, ज़ील देसाई, अंकिता रैना, रुतुजा भोसले।

इंडोनेशिया: जेनिस तजेन, प्रिस्का मैडेलिन नुग्रोहो, अंजलि किराना जुनार्टो, मेडियाना लावियोला रेइन्माह और अल्दिला सुत्जियादी।

कोरिया: सोह्युन पार्क, यूनहे ली, डेयॉन बैक, बोयंग जियोंग, गेउल जांग।

मंगोलिया: जार्गल अल्टानसरनाई, खोंगोरज़ुल अलडार्किशिग, अनु-विजिन गैंटोर, ओयुंगेरेल खासबातर।

न्यूजीलैंड: मोनिक बैरी, वेलेंटीना इवानोव, आइशी दास और एरिन राउटलिफ।

थाईलैंड: पैटचारिन चीपचंदेज, एंचिसा चांटा, थासापोर्न नाकलो, पींगटार्न प्लिपुएच और कामोनवान योडपेच।

एनएमडीसी ने लौह अयस्क के दाम 11.1 प्रतिशत तक बढ़ाए, पांच अप्रैल से लागू

नई दिल्ली। सरकारी स्वामित्व वाली एनएमडीसी ने लौह अयस्क के दामों में 11.1 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की है। कंपनी ने शेयर बाजार को यह जानकारी दी। देश की सबसे बड़ी लौह अयस्क उत्पादक कंपनी ने बताया कि नई कीमतें पांच अप्रैल 2026 से प्रभावी हो गईं। कंपनी सूचना के अनुसार बैलाडीला खदानों (छत्तीसगढ़) से उत्पादित उच्च गुणवत्ता वाले बायला लंप (65.5 प्रतिशत लौह अंश) के दाम में 10.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। वहीं बायला फाइंस (64 प्रतिशत लौह अंश) के दाम 11.1 प्रतिशत बढ़ाए गए हैं। बायला फाइंस 10 मिलीमीटर से कम आकार का उच्च गुणवत्ता वाला लौह अयस्क उत्पाद है जो बैलाडीला क्षेत्र की खदानों से प्राप्त होता है। कंपनी ने बीएसई को दी सूचना में बताया कि पांच अप्रैल 2026 से लौह अयस्क की कीमतें इस प्रकार तय की गई हैं। बायला लंप (65.5 प्रतिशत, 10-40 मिमी) : 5,300 रुपये प्रति टन, बायला फाइंस (64 प्रतिशत, 10 मिमी से कम) 4,500 रुपये प्रति टन। संशोधित कीमतें 'फ्री-ऑन-रेल' (एफओआर) आधार पर हैं और इनमें रॉयल्टी, जिला खनिज फाउंडेशन (डीएमएफ) शुल्क, राष्ट्रीय खनिज अन्वेषण न्यास (एनएमईटी) अंशदान, माल एवं सेवा कर, पर्यावरण उपकर और अन्य कर जैसे वैधानिक शुल्क शामिल नहीं हैं। एनएमडीसी ने हाल ही में समाप्त वित्त वर्ष 2025-26 में रिकॉर्ड 5.3 करोड़ टन लौह अयस्क का उत्पादन किया और 5.02 करोड़ टन लौह अयस्क की बिक्री दर्ज की थी।

न्यायालय ने नहीं लगाई अदाणी की जेएएल अधिग्रहण योजना पर रोक

एनसीएलएटी को शीघ्र फैसला करने का निर्देश

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड (जेएएल) के अधिग्रहण से जुड़े राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय अधिकरण (एनसीएलएटी) के आदेश में हस्तक्षेप करने से सोमवार को इनकार कर दिया। एनसीएलएटी ने अदाणी समूह की 14,535 करोड़ रुपये की बोली के जरिये जेएएल के अधिग्रहण पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था जिसके बाद वेदांता लिमिटेड ने इस फैसले के खिलाफ उच्चतम न्यायालय का रुख किया। शीर्ष अदालत ने साथ ही जेएएल की निगरानी समिति पर एनसीएलएटी की पूर्व अनुमति के बिना कोई भी बड़ा नीतिगत निर्णय लेने पर रोक लगा दी। अदालत ने वेदांता लिमिटेड और सफल समाधान आवेदक अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड से कहा कि वे अपने तर्क एवं प्रतिदावे एनसीएलएटी के समक्ष रखें। एनसीएलएटी इस विवाद पर 10 अप्रैल से अंतिम सुनवाई शुरू करेगा। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने अदाणी समूह द्वारा जेएएल के अधिग्रहण से जुड़े विवाद पर दायर याचिका और जवाबी याचिका पर एनसीएलएटी से शीघ्र निर्णय लेने को कहा। इससे पहले वेदांता लिमिटेड ने उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर कर अदाणी समूह की 14,535 करोड़ रुपये की बोली को मंजूरी देने वाले आदेश पर रोक लगाने का अनुरोध किया था। वेदांता ने 25 मार्च को यह अपील दायर की थी जो एनसीएलएटी द्वारा 24 मार्च को योजना के क्रियान्वयन पर अंतरिम रोक लगाने से इनकार करने के एक दिन बाद की गई थी। दिवाला अपीलीय अधिकरण ने राष्ट्रीय कंपनी विधि अधिकरण (एनसीएलटी) द्वारा जेएएल के अधिग्रहण के लिए अदाणी समूह की बोली को मंजूरी देने वाले आदेश के खिलाफ वेदांता समूह की याचिका पर अंतरिम रोक लगाने से इनकार कर दिया था। एनसीएलएटी की दो सदस्यीय पीठ ने जेएएल की ऋणदाता समिति (सीओसी) से एक सप्ताह के भीतर जवाब मांगा था और मामले की अगली सुनवाई 10 अप्रैल को तय की थी। वेदांता समूह भी दिवाला प्रक्रिया के तहत जेएएल के अधिग्रहण की दौड़ में शामिल था, लेकिन पिछले साल नवंबर में ऋणदाताओं ने अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड की समाधान योजना को मंजूरी दे दी जिसे बाद में एनसीएलटी ने भी स्वीकृति दे दी। इस आदेश को चुनौती देते हुए वेदांता समूह ने एनसीएलएटी में दो अपील दायर की हैं। पहली अपील में समाधान योजना की वैधता को जबकि दूसरी में ऋणदाता समिति एवं एनसीएलटी द्वारा योजना को दी गई मंजूरी को चुनौती दी गई है।

हरियाणा रेरा ने बिल्डर चिंटेल्स को घर खरीदार को चार करोड़ रुपये से अधिक मुआवजा देने का दिया निर्देश

गुरुग्राम। हरियाणा रियल एस्टेट विनियामक प्राधिकरण (एचआरईआरए) ने बिल्डर चिंटेल्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को एक घर खरीदार को चार करोड़ रुपये से अधिक मुआवजा देने का आदेश दिया है। खरीदार ने अपने फ्लैट में निर्माण संबंधी खामियों को लेकर शिकायत दर्ज कराई थी। अधिकारी ने सोमवार को बताया कि यह शिकायत दिल्ली निवासी अरुणा गर्ग ने दर्ज कराई थी जिन्होंने सेक्टर 109 स्थित परियोजना के 'टावर-सी' में चार कमरे वाला फ्लैट खरीदा था। उन्होंने तय कीमत से अधिक करीब 1.8 करोड़ रुपये का भुगतान किया और अक्टूबर 2019 में उन्हें फ्लैट का कब्जा मिला। हालांकि इसके तुरंत बाद फ्लैट में समस्याएं सामने आने लगीं जिनमें टूटी टाइलें, असमान फर्श और बालकनी तथा साझा क्षेत्रों में दरारें शामिल थीं। शिकायतों के बावजूद डेवलपर ने इन समस्याओं को ठीक नहीं किया। मामला 10 फरवरी 2022 को गंभीर हो गया, जब परियोजना के 'टावर-डी' का एक हिस्सा ढह गया जिसमें दो लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। जिला प्रशासन एवं भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दिल्ली की जांच में बाद में सामने आया कि निर्माण में इस्तेमाल किए गए कंक्रीट में क्लोराइड की मौजूदगी के कारण 'स्टील' में जंग लग गया था। विशेषज्ञों ने कहा कि इमारत की हालत इतनी खराब है कि उसकी मरम्मत संभव नहीं है। एचआरईआरए ने अपने आदेश में कहा कि पूरी परियोजना अब रहने योग्य नहीं रही और इसके लिए पूरी तरह चिंटेल्स इंडिया जिम्मेदार है। खरीदार को दोषी नहीं ठहराया जा सकता क्योंकि उसे अंतरराष्ट्रीय स्तर के निर्माण का भरोसा दिया गया था। प्राधिकरण ने सेक्टर-109 में संपत्ति की बढ़ी कीमतों को ध्यान में रखते हुए मुआवजा 13,000 रुपये प्रति वर्ग फुट तय किया और अरुणा गर्ग को 4.09 करोड़ रुपये देने का आदेश दिया।

प्राकृतिक गैस, एलपीजी की कमी : जिंदल स्टील ने भट्टियों में 'सिंथेसिस गैस' का इस्तेमाल शुरू किया

नई दिल्ली। जिंदल स्टील ने प्राकृतिक गैस, एलपीजी और प्रोपेन की कमी से निपटने के लिए 'गैल्वनाइजिंग' एवं 'कलर कोटिंग' लाइन की भट्टियों में 'सिंथेसिस गैस' (सिंगैस) का इस्तेमाल शुरू किया है। इससे आपूर्ति में व्यवधान के बीच भी कंपनी को संचालन जारी रखने में मदद मिली है। 'सिंगैस' या 'सिंथेसिस गैस' स्वच्छ रूप से जलने वाला ईंधन है जो अपशिष्ट एवं जैविक पदार्थों को उपयोगी ऊर्जा में बदलने का माध्यम प्रदान करता है। कंपनी के अनुसार कोयले के गैसीकरण से तैयार 'सिंगैस' के उपयोग से इन महत्वपूर्ण अंतिम प्रसंस्करण प्रक्रियाओं में ईंधन की कमी को दूर करने में मदद मिली है। इन प्रक्रियाओं में उच्च तापमान वाली भट्टियां आवश्यक होती हैं जिनका उपयोग निर्माण, उपकरण तथा वाहन क्षेत्र में इस्तेमाल होने वाली इस्पात पट्टियों (स्ट्रिप) पर जस्ता एवं रंग की परत चढ़ाने के लिए किया जाता है। 'गैल्वनाइजिंग लाइन' भट्टियां इस्पात पर सुरक्षा के लिए जस्ता की परत चढ़ाती हैं जबकि 'कलर कोटिंग लाइन' भट्टियां धातु पर लगाए गए कार्बनिक रंग को पकाती हैं। ये दोनों प्रक्रियाएं, जंग प्रतिरोध एवं टिकाऊपन बढ़ाने के लिए लगातार और तेज गति वाली उत्पादन लाइन में संचालित होती हैं। कंपनी ने सोमवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा, '' प्राकृतिक गैस, एलपीजी और प्रोपेन की कमी के मद्देनजर जिंदल स्टील ने गैल्वनाइजिंग तथा कलर कोटिंग लाइन भट्टियों में 'सिंगैस' का सफलतापूर्वक उपयोग शुरू किया है। इस्पात उद्योग में इस तरह का यह पहला प्रयोग है। इससे इन असाधारण परिस्थितियों में ईंधन की कमी से बेहतर तरीके से निपटने में मदद मिली है।'' इसमें कहा गया कि कंपनी ने कोयला गैसीकरण आधारित देश का पहला प्रत्यक्ष अपचयन लोहा (डीआरआई) संयंत्र स्थापित कर वैश्विक स्तर पर भी एक नई पहल की है, जिसमें लोहे के उत्पादन के लिए 'सिंगैस' का उपयोग किया जाता है। जिंदल स्टील ने कहा कि उसने अपने ब्लास्ट फर्नेस में 'सिंगैस इंजेक्शन' की पहल भी की है जिससे आयातित कोकिंग कोयले पर निर्भरता कम हुई है तथा प्रति टन इस्पात कार्बन उत्सर्जन में भी कमी आई है। जिंदल स्टील के अंगुल संयंत्र के कार्यकारी निदेशक पी. के. बीजू नायर ने कहा, '' स्वदेशी कोयले से तैयार 'सिंथेसिस गैस' आयातित मेथनॉल, अमोनिया, अमोनियम नाइट्रेट और द्रवीकृत प्राकृतिक गैस का विकल्प बन सकती है।

आईईएक्स पर वित्त वर्ष 2025-26 में बिजली कारोबार रिकॉर्ड 141 अरब यूनिट रहा

नई दिल्ली। बिजली खरीद-बिक्री मंच इंडियन एनर्जी एक्सचेंज (आईईएक्स) पर वित्त वर्ष 2025-26 में बिजली कारोबार सालाना आधार पर 17 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 141 अरब यूनिट दर्ज किया गया। इसकी मुख्य वजह 'रियल-टाइम' बिजली बाजार का मजबूत प्रदर्शन रही। बयान के अनुसार वित्त वर्ष 2025-26 में आईईएक्स पर कुल 187.20 लाख नवीकरणीय ऊर्जा प्रमाणपत्र (आरईसी) का कारोबार हुआ जो सालाना आधार पर पांच प्रतिशत अधिक है। वित्त वर्ष 2026 में 'डे-अहेड मार्केट' यानी अगले दिन की आपूर्ति के लिए सौदों का मूल्य सालाना आधार 13.7 प्रतिशत घटकर 3.86 रुपये प्रति यूनिट रहा। वहीं वास्तविक समय में आपूर्ति (आरटीएम) का बाजार समापन मूल्य 3.59 रुपये प्रति यूनिट रहा जो वित्त वर्ष 2024-25 के मुकाबले 16 प्रतिशत कम है। वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में आईईएक्स पर बिजली का कारोबार 39.4 अरब यूनिट के अब तक के सर्वाधिक तिमाही स्तर पर पहुंच गया, जो सालाना आधार पर 24.3 प्रतिशत अधिक है।

देश के सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर मार्च में 14 महीने में सबसे धीमी रही: पीएमआई

नई दिल्ली। देश के सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर मार्च में 14 महीने में सबसे धीमी रही जो नए कारोबार में नरमी को दर्शाती है। सोमवार को जारी मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी मिली। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक फरवरी के 58.1 से घटकर मार्च में 57.5 रह गया। यह जनवरी 2025 के बाद से नए कारोबार एवं गतिविधियों में सबसे धीमी वृद्धि को दर्शाता है। क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर अंक का मतलब गतिविधियों में विस्तार से और 50 से कम का आशय संकुचन से होता है। एचएसबीसी की भारत की मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजल भंडारी ने कहा, '' देश के सेवा क्षेत्र में मार्च में विस्तार कायम रहा लेकिन वृद्धि की गति लगातार दूसरे महीने धीमी पड़ी। मांग मजबूत बनी रही, जिसका नेतृत्व नए निर्यात ऑर्डर ने किया जो 2024 के मध्य के बाद से सबसे अधिक बढ़े। इससे सेवा प्रदाताओं की भविष्य की गतिविधियों को लेकर उम्मीदें सकारात्मक बनी रहीं।'' सेवा क्षेत्र में नए निर्यात ऑर्डर में हालांकि तेज वृद्धि दर्ज की गई। सर्वेक्षण में शामिल कंपनियों ने अफ्रीका, एशिया, ऑस्ट्रेलिया, यूरोप, अमेरिका और पश्चिम एशिया से मांग बढ़ने की बात कही। कीमतों के मोर्चे पर बिक्री मूल्य मुद्रास्फीति सात महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गई, क्योंकि जून 2022 के बाद से कच्चे माल की लागत में सबसे तेज वृद्धि दर्ज की गई।

पहली झलक में दिखा 'चांद मेरा दिल' का जादू

अनन्या पांडे और लक्ष्य की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'चांद मेरा दिल' का पहला आधिकारिक लुक जारी कर दिया गया है। धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी इस फिल्म का निर्देशन विवेक सोनी कर रहे हैं। पोस्टर रिलीज के साथ ही दर्शकों के बीच फिल्म को लेकर उत्सुकता और बढ़ गई है। जारी किए गए पोस्टर्स में अनन्या और लक्ष्य की रोमांटिक केमिस्ट्री साफ झलक रही है। एक पोस्टर में दोनों एक-दूसरे की बाहों में खोए नजर आते हैं, जबकि दूसरे में क्लासरूम का सीन दिखाया गया है, जहां दोनों की नजदीकियां कहानी के भावनात्मक पहलू को उजागर करती हैं। 'आरव' और 'चांदनी' के किरदारों में नजर आने वाले ये दोनों कलाकार एक इंटेंस लव स्टोरी लेकर आ रहे हैं। निर्माताओं ने यह भी घोषणा की है कि फिल्म का टीजर 7 अप्रैल को रिलीज किया जाएगा। वहीं, 'चांद मेरा दिल' 22 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। बॉक्स ऑफिस पर इसका मुकाबला बंदर से होगा, जिसमें बॉबी देओल मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।

सीता जी के रोल के लिए साई पल्लवी से बेहतर कोई नहीं: रणबीर कपूर

मुंबई। हाल ही में लॉस एंजिल्स में हुए एक खास इवेंट में नितेश तिवारी की फिल्म रामायण का टीजर दिखाया गया। अपकमिंग मूवी में अभिनेता रणबीर कपूर भगवान श्रीराम के किरदार में नजर आएंगे। रामायण फिल्म की स्टारकास्ट को लेकर रणबीर कपूर ने बताया कि माता सीता के किरदार के लिए साई पल्लवी से बेहतर कोई और हो ही नहीं सकता था। साई पल्लवी की तारीफ करते हुए रणबीर ने कहा कि वह एक बेहद मंझी हुई एक्ट्रेस हैं और उन्होंने अब तक कमाल का काम किया है। रणबीर कपूर ने रामायण मूवी के सेट का एक दिलचस्प किस्सा शेयर करते हुए बताया, 'मुझे याद है जब पहले दिन मैंने साई को माता सीता के गेटअप में देखा, तो मैं बस नितेश सर को देखता रह गया। हम दोनों को उसी पल समझ आ गया था कि इस रोल के लिए उनसे बेहतर कोई और हो ही नहीं सकता।' नितेश तिवारी की 'रामायण' में जहां साई पल्लवी की चर्चा हर तरफ है, वहीं यश का रावण बनना भी फिल्म का सबसे बड़ा हाईलाइट माना जा रहा है। फिल्म में राम का किरदार निभा रहे रणबीर कपूर ने यश की तारीफ करते हुए कहा, 'यश का अपना एक अलग स्टारडम है, रावण जैसे शक्तिशाली किरदार को निभाने के लिए जिस ऑरा और स्क्रीन प्रेजेंस की जरूरत होती है, वह यश में कूट-कूट कर भरी है।' हालांकि, अभी तक साई पल्लवी और यश के लुक्स को पूरी तरह रिवील नहीं किया गया है, लेकिन रणबीर के राम लुक ने फैंस की उम्मीदें सातवें आसमान पर पहुंचा दी हैं।

मै आज जो भी हूं, मां की वजह से हूं : करिश्मा कपूर

मुंबई। 90 के दशक की सुपरहिट एक्ट्रेस और कपूर खानदान से ताल्लुक रखने वाली करिश्मा कपूर के लिए फिल्मी सफर फूलों की सेज नहीं था। शुरुआती दौर में करिश्मा को इंडस्ट्री की कई कठिन चुनौतियों और आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। करिश्मा का मानना है कि इन मुश्किल हालातों में उनकी मां बबीता उनके लिए सबसे बड़ी ताकत बनीं। आज अपनी शानदार कामयाबी और टॉप एक्ट्रेसेस की लिस्ट में शुमार होने का पूरा श्रेय करिश्मा अपनी मां के अटूट साथ और संघर्ष को देती हैं। करिश्मा कपूर ने खुलकर बताया कि कैसे उनकी मां बबिता ने हर मुश्किल वक्त में उनका साथ दिया और उन्हें मजबूत बनाया। करिश्मा कपूर हाल ही में सिंगिंग रियलिटी शो 'इंडियन आइडल' के एक खास एपिसोड में नजर आईं। इस दौरान शो के होस्ट आदित्य नारायण ने उनकी मां बबिता का जिक्र करते हुए कहा कि करिश्मा के करियर में उनका काफी सपोर्ट रहा है। उनकी मां ही असली सुपरस्टार हैं। यह सुनकर करिश्मा इमोशनल हो गईं। भावुक होते हुए करिश्मा ने कहा, 'मेरी मां मेरे लिए भगवान जैसी हैं। मैं जो भी हूं, मां की वजह से हूं। यूं तो परिवार के सभी लोगों ने मेरा साथ दिया, लेकिन मेरी मां ने मुझे जो आत्मविश्वास और संस्कार दिए, वही मेरी जिंदगी की सबसे बड़ी ताकत बने। आज मैं जो कुछ भी हूं, उसका पूरा श्रेय मैं अपनी मां को देती हूं।' करिश्मा कपूर ने इस दौरान अपनी मां के फिल्मी करियर के बारे में भी बात की। उन्होंने बताया, 'मां ने हिंदी सिनेमा में बहुत कम समय के लिए काम किया, लेकिन उस छोटे से करियर में भी उन्होंने कई सफल फिल्में दीं। यह उनकी प्रतिभा और मेहनत का सबूत है कि कम समय में ही उन्होंने इंडस्ट्री में अपनी खास पहचान बना ली थी।' उन्होंने बताया कि उनकी मां ने उस दौर के बड़े सितारों जैसे राजेश खन्ना, जितेंद्र, मनोज कुमार और धर्मेंद्र के साथ काम किया। इसके अलावा, उन्होंने कपूर परिवार के मशहूर अभिनेताओं शम्मी कपूर और शशि कपूर के साथ भी स्क्रीन शेयर की, हालांकि, उस समय कपूर परिवार में एक परंपरा थी, जिसके अनुसार परिवार की महिलाएं फिल्मों में काम नहीं करती थीं। इसी वजह से बाबिता को शादी के बाद अपने फिल्मी करियर को छोड़ना पड़ा। यह उनके लिए एक बड़ा फैसला था, लेकिन उन्होंने अपने परिवार को प्राथमिकता दी और अपने बच्चों की परवरिश पर ध्यान केंद्रित किया। बता दें कि करिश्मा कपूर 90 के दशक की सुपरहिट एक्ट्रेस रही हैं। उन्होंने अपनी मेहनत के दम पर बॉलीवुड में एक ऊंचा मुकाम हासिल किया।

बॉक्स ऑफिस पर 'धुरंधर 2' का जलवा जारी

रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर 2: द रिवेंज ने बॉक्स ऑफिस पर नया इतिहास रच दिया है। फिल्म ने रिलीज के 18वें दिन घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 1000 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है और ऐसा करने वाली यह पहली हिंदी फिल्म बन गई है। वीकेंड पर कमाई में आए उछाल ने फिल्म की रफ्तार को फिर तेज कर दिया है। सैकनिल्क के अनुसार फिल्म ने 18वें दिन 28.75 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जो 17वें दिन की 25.65 करोड़ रुपये की कमाई से ज्यादा है। इसके साथ ही फिल्म का कुल घरेलू कलेक्शन 1,013.77 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। वहीं, वर्ल्डवाइड स्तर पर भी 'धुरंधर 2' शानदार प्रदर्शन कर रही है और अब तक 1,605.74 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर चुकी है। हालांकि फिल्म ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड बना लिया है, लेकिन वैश्विक कमाई के मामले में अभी भी इसे 'पुष्पा 2: द रूल', 'बाहुबली 2: द कन्क्लूजन' और दंगल जैसी फिल्मों से आगे निकलना बाकी है। ट्रेड एक्सपर्ट्स की नजर अब इस बात पर है कि 'धुरंधर 2' इन बड़े रिकॉर्ड्स को कब तक तोड़ पाती है।